RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ●10 अगस्त , 2024 वर्षः-12 अंक-104 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

मंगल को रहने लायक बनाने की तरफ बड़ी छलांग

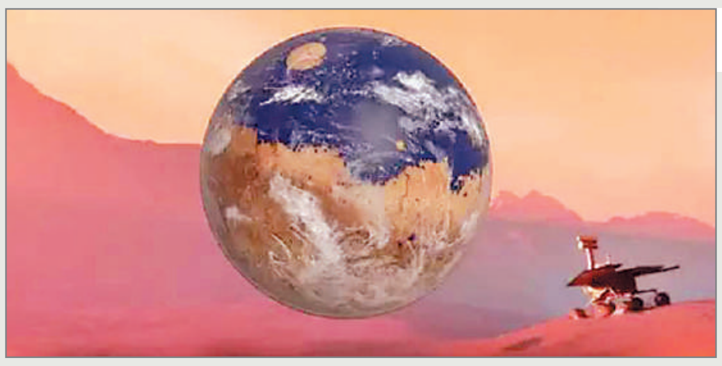

बिना परमाणु बम के ही ग्रह का तापमान बढ़ाने की मिली तकनीक

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना खोजने में जुटे वैज्ञानिकों को अहम कामयाबी मिली है। साइंस एडवांसेज में पब्लिश रिपोर्ट में शिकागो विश्वविद्यालय, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी और सेंट्रल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मंगल ग्रह के वातावरण को बदलने के दृष्टिकोण का खुलासा किया है। इस नए तरीके में मंगल ग्रह के वायुमंडल में इंजीनियर्ड धूल के कणों को छोड़ा जाएगा, जो ग्रह को 50 डिग्री फारेनहाइट से ज्यादा गर्म कर देंगे। इससे ग्रह का तापमान इतना हो जाएगा कि यहां माइक्रोबियल जीवन संभव हो जाएगा। इस रिसर्च को मंगल को रहने योग्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहला कदम कहा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये प्रस्तावित तकनीक वैश्विक स्तर पर मंगल ग्रह को गर्म करने के उद्देश्य से पिछली योजनाओं की तुलना में 5,000 गुना ज्यादा बेहतर है। ये मंगल ग्रह के वातावरण को बदलने की हमारी क्षमता में एक महत्वपूर्ण प्रगति को भी दर्शाता है। इससे पहले पृथ्वी से सामग्री आयात करने या दुर्लभ मंगल ग्रह के संसाधनों का खनन करने की बात तापमान बढ़ाने के लिए कही गई थी। परमाणु के इस्तेमाल की भी चर्चा होती रही है लेकिन नया दृष्टिकोण मंगल पर आसानी से उपलब्ध संसाधनों का लाभ उठाता है, जो इसे कहीं अधिक व्यवहार्य हो जाता है। शिकागो विश्वविद्यालय में भूभौतिकी विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर एडविन काइट का कहना है कि नई रिसर्च ये बताती है कि पानी के लिए मंगल को गर्म करना इतना भी मुश्किल नहीं है, जितनी अब तक मानी जाती थी। हालांकि इस पद्धति को लागू करने में कई दशक लगेंगे। इसके बावजूद यह अब तक प्रस्तावित अन्य योजनाओं की तुलना में तार्किक रूप से सबसे बेहतर दिखती है। मंगल ग्रह को इंसान के रहने लायक बनाने के लिए बहुत अधिक काम करने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

सांसद बना रहेगा खालिस्तानी आतंकी अमृतपाल सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जेल में बंद कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह को पंजाब के खडूर साहिब से सांसद चुने जाने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता ने दावा किया कि संविधान का अनुच्छेद 84 संसद की सदस्यता के लिए योग्यता से संबंधित है और कहता है कि कोई व्यक्ति संसद की सीट भरने के लिए तब तक योग्य नहीं होगा जब तक वह भारत का नागरिक न हो। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता नहीं है, लेकिन अमृतपाल सिंह द्वारा पहले दिए गए बयानों से वह बहुत आहत है। पीठ ने कहा, यह साक्ष्य का मामला है। इसके लिए निर्धारित प्रक्रियाएं हैं।

बिहार में मंदिर, मठ और ट्रस्ट के लिए नया फरमान जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ। फिलहाल बिल जेपीसी के पास भेज दिया गया है। इस बीच बिहार से एक खबर आई है, जहां सरकार ने सभी जिलों के अधिकारियों को कहा है कि मंदिरों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाए और जिन मंदिरों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है उन्हें रजिस्टर किया जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह कहा गया है कि बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के पास रजिस्ट्रेशन मौजूद रहे। ऐसे मंदिरों का डेटा बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड किए जाने का निर्देश भी दिया गया है। विधि विभाग के अंतर्गत आने वाले बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के पास यह डेटा होना ही चाहिए। बिहार सरकार ने रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य किया है। यानी अब जो भी मंदिर ट्रस्ट या मठ होगा उनके लिए यह जरूरी हो गया है कि वह बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड की वेबसाइट पर जाएं और रजिस्ट्रेशन कराएं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 18 जिलों ने ही राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को यह डेटा सौंपा है। बिहार के कानून मंत्री नितिन नवीन ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा, ''सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि सभी अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण किया जाए।''

130 किमी की स्पीड से दौड़ी 20 कोच वाली वंदे-भारत

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद–मुंबई के बीच 20 कोच वाली वंदे भारत ट्रेन चलाने की तैयारी चल रही है। इसके तहत सुबह अहमदाबाद के कालूपुर रेलवे स्टेशन से 20 कोच वाली वंदे भारत ट्रेन का ट्रायल रन किया गया। ट्रेन को 130 किलोमीटर प्रति घंटे की

रफ्तार से चलाया गया। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और इंजीनियरों ने ट्रायल का निरीक्षण किया। बता दें, इस रूट पर अभी 16–16 कोच की दो वंदे भारत ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इन्हें मिल रहे 100त्र रिस्पॉन्स और ऑक्यूपेंसी को देखते हुए देश की पहली 20 कोच वाली वंदे भारत ट्रेन चलाने का फैसला किया गया है। जब वंदे भारत ट्रेन शुरू की गई, तब वह सफेद रंग के डिब्बों वाली ट्रेन थी। अब वंदे भारत ट्रेन का रंग बदलकर भगवा कर दिया गया है। अहमदाबाद–मुंबई सेंट्रल के बीच ट्रायल करने की मंजूरी दी थी।

समस्या यह है कि हमारे पास कानून हैं, लेकिन अमल नहीं हो पाते

वायनाड लैंडस्लाइड हादसे पर केरल हाईकोर्ट के कह दी खरी-खरी

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में 30 जुलाई को हुई लैंडस्लाइड में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। केरल हाईकोर्ट ने इस मामले का खुद संज्ञान लिया है। जस्टिस जयशंकरन नांबियार और जस्टिस वीएम श्यामकुमार की बेंच ने आज इस पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- यदि पर्यावरण ऑडिट किया गया है, तो हमें इसकी रिपोर्ट चाहिए। समस्या यह है कि हमारे पास कई कानून हैं, लेकिन जमीन पर नजर नहीं आते। हम इस मामले पर हर शुक्रवार को सुनवाई करेंगे। अगली सुनवाई 16 अगस्त को होगी। लैंडस्लाइड में अब भी 138 से ज्यादा लोग लापता हैं। 10 दिन से जारी रेस्क्यू ऑपरेशन में आर्मी के जवानों ने मलबे में दबे कई लोगों को जिंदा बाहर निकाला। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार (8 अगस्त) को महाधिवक्ता को तलब किया और उन्हें कानून सहित मामलों पर विचार करने कहा। साथ ही कहा कि सरकार को सोचना चाहिए कि अवैध खनन और बाढ़ जैसी चीजों को रोकने के लिए कानूनी तौर पर क्या किया जा सकता है। बेंच ने कहा कि केरल के कुछ क्षेत्र ईको सेंसेटिव जोन हैं। इस पर फिर से सोचने की जरूरत है कि क्या यहां सस्टेनेबल डेवलपमेंट संभव है। यदि जरूरी हो तो इन मामलों में मौजूदा नियमों और विनियमों को निरस्त किया जाना चाहिए। वायनाड के 4 गांव मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में लैंडस्लाइड की घटना हुई है। 5 साल पहले 2019 में भी भारी बारिश की वजह से इन्हीं गांवों में लैंडस्लाइड हुई थी, जिसमें 17 लोगों की मौत हुई थी। 5 लोगों का आज तक पता नहीं चला। 52 घर तबाह हुए थे। वायनाड, केरल के नॉर्थ-ईस्ट में है। यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका है। यानी मिट्टी, पत्थर और उसके ऊपर उगे पेड़-पौधों के ऊंचे-नीचे टीलों वाला इलाका।

ईरान अब नहीं करेगा इजरायल पर हमला !

- **राष्ट्रपति ने सुप्रीम लीडर खुमैनी को बताए खतरे, टलेगा संकट**

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान चाहते हैं कि देश इजरायल के साथ युद्ध में ना उलझे। उन्होंने देश के सुप्रीम लीडर अली खुमैनी से गुजारिश है कि इजरायल पर हमला करने से बचा जाए। उन्होंने इस जंग से ईरान के साथ ही पूरे क्षेत्र और उनके पद पर इसके खराब प्रभाव का हवाला देते हुए खुमैनी से कहा है कि युद्ध से बचना ज्यादा अच्छा होगा। ईरान इंटरनेशनल ने सत्ता के करीबी सूत्रों के हवाले से की रिपोर्ट में ये दावा किया है। ये ऐसे समय में सामने आया है जब ईरान ने तेहरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या का बदला लेने के लिए इजरायल पर सीधा हमला करने की धमकी दी है। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, खुमैनी के साथ हाल ही में एक बैठक में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने ईरानी हमले को रोकने का आग्रह किया।

महिला सरपंचों से सीएम ने कहा-फिजूलखर्ची रोकें

सीएम बोले-तेरहवीं-शादियों में ज्यादा खर्च होता है, मैंने बेटे की शादी में 100 लोग बुलाए थे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिला सरपंचों से फिजूलखर्च रोकने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा- तेरहवीं में लोग अपनी जमीनें बेचकर खर्च करते हैं, जो सरासर गलत है। इस पर रोक लगना चाहिए। मैंने खुद अपने बेटे की शादी में 100 लोग बुलाए थे। शादियों में भी अनावश्यक खर्च को रोकना चाहिए। सीएम हाउस में शुक्रवार को रानी दुर्गावती महिला सरपंच सम्मेलन और रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेशभर से महिला सरपंच शामिल हुईं।

इस दौरान महिला सरपंचों ने अपनी बात रखी। सीएम ने महिला सरपंचों से राखी भी बंधवाई। महिलाओं ने भी तिलक लगाकर सीएम का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सीएम ने कन्या पूजन किया। सीएम ने कहा, ' हमारे देश में सालभर कोई ना कोई त्योहार रहता है। प्रेम के धागे बांधने वाला यह रक्षाबंधन सब त्योहार पर भारी है। यह हमारी परंपरा है। भाई-बहन से बढ़कर दुनिया में कोई संबंध नहीं। हमारी सरकार बनी, तो लाड़ली बहनों और जिन्होंने उज्ज्वला गैस कनेक्शन लिया, उन्हें 450 रुपया अनुदान गैस की टंकी के लिए दिए जाएंगे। संकल्प पत्र में जिन योजनाओं का जिक्र किया गया है, वैसी ही लागू की जाएंगी।

प्रह्लाद पटेल बोले- सीएम हर जगह राखी बंधवाएंगे

पंचायत मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा, 'मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी बहनों को घर में आमंत्रित कर उनका मान बढ़ाया है। मध्यप्रदेश में 23011 पंचायतें हैं। 50 फीसदी आरक्षण माना जाए, तो इस आंकड़े से ज्यादा महिला सरपंच हैं। हर साल रक्षाबंधन आता है, लेकिन ये पहला मौका है, जब मुख्यंमत्री ने कहा कि सावन के महीने में वे जहां भी रहेंगे, बहनों से राखी बंधवाएंगे। सम्मेलन में उज्जैन की लक्षिका डागर ने कहा– 'ग्राम पंचायत चिंतामन जवासिया की सरपंच और सबसे काम उम्र की सरपंच हूं। बच्चे गांव में गीली मिट्टी में बैठकर स्कूल में प्रार्थना कर रहे थे। मैंने स्कूल में ग्राउंड पक्का कराया। गांव में प्रसूति केंद्र बनवाया। गांव में डिलिवरी हो रही हैं। नालियां बनाई हैं। देश को हम जैसी नारी शक्तियों की जरूरी है। पर्दा जरूर करें, लेकिन विचारों का पर्दा कभी ना करें।' सतना की सरपंच कमला देवी ने कहा, 'मैं बीड़ी बनती थी। समूह में जुड़ी फिर सिलाई सीखी। लोन लेकर मशीन खरीदी। सिलाई शुरू की, जिससे आर्थिक स्थिति सुधरने लगी। गांव से सीसीएल भी करवाया है। साल में एक करोड़ से भी ज्यादा सीसीएल करवाया। परिवार की स्थिति सुधरी करती थी। पंचायत चुनाव हुआ, तो फॉर्म भरा। गांव में सभी बहनों ने मदद कर प्रचार किया। 370 वोटो से जीत हुई। मैंने सम्मेलन योजना का लाभ दिलाया। गांव में आंगनबाड़ी भवन बनवाया। नाली बनवाई।

हॉकी प्लेयर विवेक सागर को 1 करोड़ देगी एमपी सरकार

सीएम डॉ. मोहन ने वीडियो कॉल पर की बात, भोपाल पीएचक्यू में डीएसपी हैं विवेक

भोपाल। पेरिस ओलिंपिक-2024 में भारत ने हॉकी में स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। मध्यप्रदेश के इटारसी से सटे चांदौन गांव के रहने वाले डीएसपी विवेक सागर प्रसाद भी भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा हैं। एमपी सरकार विवेक को 1 करोड़ रुपए का इनाम देगी। विवेक फिलहाल भोपाल पुलिस हेडक्वार्टर में पोस्टेड हैं। जीत के बाद चांदौन में जश्न मनाया गया। विवेक के परिजन और दोस्तों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को विवेक सागर से वीडियो कॉल पर बात कर उन्हें और टीम को बधाई दी। विवेक दूसरी बार ओलिंपिक में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इससे पहले वे टोक्यो ओलिंपिक 2020 में भी ब्रॉन्ज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। भारत ने लगातार दूसरे ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने का रिकॉर्ड 52 साल बाद बनाया है। जीत के बाद विवेक सागर ने सपोर्ट के लिए सभी को धन्यवाद दिया। चांदौन में विवेक सागर प्रसाद के घर जश्न मनाने के बाद उनकी मां कमलादेवी शिव मंदिर पहुंचीं और पूजा-अर्चना की। बहन पूजा की खुशी का ठिकाना नहीं है। भाई विद्यासागर ने बताया कि विवेक को वीडियो कॉल किया था। शोर बहुत था, बात नहीं हो सकी। वीडियो कॉल पर केवल खुशियां शेयर कीं, रात में बात हो सकेगी। हॉकी टीम की जीत में विवेक की कितनी मेहनत रही। इस पर उनके पिता रोहित सागर ने कहा- विवेक ने मेहनत की है। पहले मैं उसे हॉकी के लिए आगे जाने नहीं दे रहा था, फिर एमपी अकादमी में उसका चयन हो जाने के बाद विवेक को सपोर्ट करने लगा। भारतीय टीम के जीतने से पिता बेहद खुश हैं। उनके गांव और शहर के हॉकी खिलाड़ियों में भारत की जीत को लेकर उत्साह है। विवेक के भाई विद्यासागर ने कहा-टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है, खुशी की बात है। इस बार सोचा था कि मेडल का रंग बदलेगा, लेकिन सेमीफाइनल को अचीव नहीं कर पाए। एक गोल से हार मिली। मंत्री विश्वास सारंग ने भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर से वीडियो कॉल पर बात की।

हिंसा प्रभावित हिंदुओं को भारत में प्रवेश देने को लेकर बीजेपी में मतभेद

पूर्वोत्तर के नेता नहीं चाहते उनके राज्य में घुसे शरणार्थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में फैली अराजकता के बीच हिंदुओं पर हमले की खबरें भी सामने आ रही हैं। कई वीडियो में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं भी देखी जा सकती हैं। वहीं, जब से ढाका में शेख हसीना सरकार गिरी है और अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की खबरें सामने आई हैं, तब से भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं ने केंद्र सरकार से संकटग्रस्त समुदाय की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की अपील की है। इस सबके बीच भारतीय जनता पार्टी बांग्लादेश में हिंसा का सामना कर रहे हिंदू समुदाय के सदस्यों की सुरक्षा के लिए पार्टी के भीतर बार-बार की जा रही मांग से परेशान है। पार्टी के लिए अधिक समस्या यह है कि पूर्वोत्तर भारत में उसके अपने नेता अपने राज्यों में बांग्लादेशी प्रवासियों की बड़ी आमद नहीं चाहते हैं। पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने हाल ही में इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और तर्क दिया कि बांग्लादेश में अस्थिरता के परिणामस्वरूप करोड़ों लोग भारत में, खासकर पश्चिम बंगाल में घुसने की कोशिश कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, उन्होंने अमित शाह से यह भी कहा है कि ऐसे हालात में नागरिकता संशोधन अधिनियम की आवश्यकता पड़ती है जो उन आवेदकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करती है जो पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यक हैं और उत्पीड़न से परेशान हैं।

मातृ-मृत्यु दर को नियंत्रित करने के प्रयास जागरूकता और सक्रिय सहभागिता से सफल होंगे: उप-मुख्यमंत्री

गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जाँच में निजी भागीदारी के प्रदेशव्यापी अभियान का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने श्यामशाह मेडिकल कालेज रीवा से प्रदेश में गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जाँच अभियान का शुभारंभ किया। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा कार्यक्रम के तहत हर माह की 9 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जाँच के शिविर सभी अस्पतालों में लगाए जाएंगे। इनमें गर्भवती महिलाओं को जाँच, उपचार, दवा और आने-जाने की सुविधा निःशुल्क दी जाएगी। कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल मण्डला और रतलाम जिले के हितग्राहियों से उप-मुख्यमंत्री ने संवाद किया। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त अस्पताल और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन शामिल हुए।

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मातृ-मृत्यु दर और शिशु-मृत्यु दर को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा कार्यक्रम के तहत हर गर्भवती महिला को निःशुल्क जाँच, उपचार और दवा की सुविधा दी जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत यदि शासकीय अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा नहीं है तो गर्भवती महिला की निजी सोनोग्राफी केन्द्र में सोनोग्राफी कराई जाएगी। इसकी राशि का भुगतान सरकार करेगी। सरकारी अस्पताल से जारी वाउचर से महिला सात दिन में कभी भी अपनी जाँच सोनोग्राफी सेंटर में करा सकती है। सही समय में रिस्क चिन्हांकन से उचित निदान कर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जायेगा। मातृ-मृत्यु दर को नियंत्रित करने में जागरूकता और नागरिकों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि मातृ-मृत्यु दर और शिशु-मृत्यु दर नियंत्रित करने के प्रयासों में निजी अस्पतालों की भागीदारी देने वाला मध्यप्रदेश देश का दूसरा राज्य है। गर्भवती महिलाओं की निजी सोनोग्राफी केन्द्रों में जाँच के लिए 15 करोड़ रुपए का प्रावधान कर दिया गया है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ और रेडियोलॉजिस्ट के पदों पर शीघ्र होगी भर्ती- उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए बजट की कोई कमी नहीं है। शीघ्र ही स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा रेडियोलॉजिस्ट के पदों पर भर्ती की जाएगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना तथा आवश्यक उपकरण स्थापित करके सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जिला अस्पताल के समकक्ष स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी। सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल रीवा के लिए दूसरी कैथलैब मशीन शीघ्र ही उपलब्ध हो जाएगी।

20 करोड़ की लागत से कैंसर क्रिटिकल केयर यूनिट के लिए भवन और 29 करोड़ लागत की लायनेक मशीन की व्यवस्था- उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंसर क्रिटिकल केयर यूनिट के लिए रीवा में 20 करोड़ की लागत से भवन बनाया जा रहा है। इसमें कैंसर के उपचार के लिए 29 करोड़ रुपए की लायनेक मशीन खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डॉक्टरों के साथ-साथ पैरामेडिकल स्टाफ और नर्सों की भी भर्ती की जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रयासों से गरीब से गरीब रोगियों के लिए भी एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध हो गई है। उप-मुख्यमंत्री ने प्रसव-पूर्व जाँच पुस्तिका तथा पोस्टर का विमोचन किया।

संयुक्त संचालक डॉ अर्चना मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक गर्भवती महिला को दवा, जाँच और आने-जाने की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है। जरूरत होने पर निःशुल्क रक्ताधान का भी प्रावधान है। नगर निगम के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, रेडक्रास के समिति के अध्यक्ष डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी, मेडिकल कालेज के डीन डॉ सुनील अग्रवाल, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ केएल नामदेव, संजय गांधी हास्पिटल के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

समाज कल्याण के क्षेत्र में संचालित अनुदान प्राप्त संस्थाओं की होगी ऑडिट : मंत्री कुशवाह

प्रत्येक क्वाटर में होगी गुणवत्ता की जाँच

भोपाल (नप्र)। सामाजिक न्याय दिव्यंजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रदेश में दिव्यंजन कल्याण, नशा मुक्ति तथा वरिष्ठजनों के लिए संचालित आश्रमों व संस्थाओं की गुणवत्ता की ऑडिट करायी जा रही है। निरीक्षण ऑडिट रिर्पोट के आधार पर ही भविष्य में अनुदान ओर अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। यह ऑडिट रिपोर्ट प्रत्येक तिमाही में तैयार कराई जाएगी। श्री कुशवाह ने ऑडिट के सभी बिंदुओं पर प्राप्त रिपोर्ट का विस्तृत एनालिसिस के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा है कि भारत सरकार और राज्य सरकार सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में संचालित विभिन्न शासकीय और अशासकीय संस्थाओं को आर्थिक और तकनीकी सहयोग प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं पर गुणवत्ता नियंत्रण राज्य शासन की जिम्मेदारी है। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संस्थानों की गुणवत्ता ऑडिट करने का निर्णय लिया गया है। आयुक्त सामाजिक न्याय एवं दिव्यंगिता सशक्तिकरण डॉ. आर आर भोसले ने बताया कि प्रदेश में दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में 36 राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त संस्थाओं तथा 54 केंद्रीय और जिला निराश्रित नीति से अनुदान प्राप्त संस्थाओं की गुणवत्ता ऑडिट कराई जा रही है इसी प्रकार वरिष्ठजनों के लिए संचालित 79 अशासकीय की संस्थाओं तथा नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत संचालित केंद्रीय अनुदान प्राप्त अशासकीय 13 नशामुक्ति सह पुनर्वास केंद्र, सात आउट रीच एंड ड्राप इन सेंटर, तीन कम्यूनिटी बेस्ड पियरलेड सेंटर का भी ऑडिट कराया जा रहा है। ऑडिट के लिए गठित टीम का दायित्व है कि वह सभी केंद्रों पर साफ़ सफाई, भोजन व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं, सुरक्षा, फर्नीचर ओर अन्य सामग्री की गुणवत्ता, मनोरंजन, खेलकूद सुविधाओं, ओर ऑफिस रिकॉर्ड की जानकारी प्राप्त की करेंगी। इसके आधार पर संस्थाओं की ग्रेडिंग की जाएगी। अब यह ऑडिट प्रत्येक तिमाही में की जाएगी, उन्होंने बताया कि 50 प्रतिशत से कम अंक पाने वाली संसथाओ के विरुद्ध एक्ट के प्रावधानों के तहत कर्रवाई की जायगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर आज ग्वालियर में करेंगे जन-सुनवाई

भोपाल (नप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शनिवार 10 अगस्त को आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु की जाने वाली जन-सुनवाई ग्वालियर नगर निगम के बिस्मिल भवन कांच मील स्थित जोन 5 के क्षेत्रीय कार्यालय पर करेंगे। मंत्री श्री तोमर शनिवार को प्रातः 8.30 बजे से 12 बजे तक नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में जन-सुनवाई करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम व विद्युत वितरण कंपनी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को इस जन-सुनवाई में उपस्थित रहकर जन-समस्याओं का निराकरण करने एवं आवश्यक व्यवस्थायें करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर को एक करोड़ रूपये देने की घोषणा की

वीडियो कॉल कर दी बधाई

भोपाल (नप्र)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक हासिल कर इतिहास रचा है। मध्यप्रदेशवासी भी इस जीत का जश्न मना रहे हैं, क्योंकि विजयी भारतीय टीम में म.प्र. इटारसी के चांदौन गांव के विवेक सागर प्रसाद ने अहम भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के इस होनहार खिलाड़ी का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें एक करोड़ रूपये देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज वीडियो कॉल कर विवेक और पूरी भारतीय टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विवेक को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जिस लगन और परिश्रम से भारतीय हॉकी टीम ने देश को गौरवान्वित किया है, वह प्रशांसनीय है।

उल्लेखनीय है मध्यप्रदेश राज्य हॉकी आकादमी के पूर्व खिलाड़ी रहे विवेक सागर दूसरी बार ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया है। इसके पूर्व टोक्यों ओलंपिक-2020 में भी भारतीय टीम ने कांस्य पदक हासिल किया था।

भोपाल का पहला स्किन बैंक हमीदिया में शुरू

80 डिग्री में की जाएगी स्टोरेज, जिंदा एवं मृत दोनों की स्किन हो सकेगी डोनेट

भोपाल (नप्र)। हमीदिया अस्पताल में स्किन बैंक का उद्घाटन शुक्रवार को कमला नेहरू अस्पताल के पहले फ्लोर पर किया गया। 15 लाख की लागत से तैयार हुए इस स्किन बैंक में जिंदा एवं मृत दोनों तरह के व्यक्ति स्किन डोनेट कर सकते हैं। यह स्किन बैंक प्रदेश का दूसरा और भोपाल का पहला बैंक है, इससे पहले यह सुविधा जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद बोस मेडिकल अस्पताल में थी। इस दौरान हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक सुनीत टंडन, जीएमसी की डीन डॉ. कविता कुमार, प्रोफेसर एचओडी डॉ. अरुण भटनागर, डेसिगेटेड प्रोफेसर डॉ. आनंद गौतम, सहायक प्राध्यापक डॉक्टर हरि शंकर सिंह आदि मौजूद रहे। दरअसल, हादसों में झुलसे लोगों के इलाज के लिए स्किन की जरूरत होती है। अभी तक स्किन बैंक नहीं होने के कारण स्किन डोनेशन की व्यवस्था हमीदिया अस्पताल में नहीं थी। करीब 9 महीने पहले बर्न एंड प्लास्टिक डिपार्टमेंट की ओर से इसके लिए प्रपोजल तैयार किया गया है। इसका प्रस्ताव कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन को भेजकर बजट मांगा था। बजट मिलने पर स्किन बैंक के लिए जरूरी उपकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर जुटाकर स्किन बैंक शुरू करने के लिए कार्रवाई शुरू हुई। हालांकि इस बैंक की एक साल से कवायद चल रही थी। पिछली बार भी एथिकल कमेटी तक मामला पहुंचा था, लेकिन व्यवस्थाएं पूरी नहीं होने से अनुमति नहीं मिली थी।

लाइव डोनेशन में डोनर की चौबीस घंटे में हो जाती है छुट्टी- डेसिगेटेड प्रोफेसर डॉक्टर आनंद गौतम ने बताया कि 30 प्रतिशत या 50 से 60 प्रतिशत से अधिक के जो बर्न के मरीज होते हैं। उनकी खुद की चमड़ी पूरी चल जाती है, इसलिए स्किन बैंक की जरूरत पड़ती है, इसलिए यह स्किन बैंक खोला है, जिस तरह से ऑर्गन डोनेशन होता है ब्लड डोनेट कर सकते हैं या किडनी डोनेट कर कर सकते हैं। उसी तरह स्किन भी डोनेट की जा सकती है। इस तरह के मरीजों में इस चमड़ी को इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर कोई प्राइवेट अस्पताल का मरीज है तो वह प्रोटोकॉल के अनुसार वह यहां से स्किन ले सकते हैं। इसकी स्टोरेज कैपेसिटी को नार्मल फ्रिज में 21 दिन तक रख सकते हैं, जो हमारे पास डीप फ्रीजर है यहां पर इसे 6 महीने से एक साल तक रख सकते हैं।

ढाई लाख से ज्यादा भक्तों ने किए नागचंद्रेश्वर के दर्शन

बड़वानी में भीलटदेव का 101 लीटर दूध से अभिषेक ; रायसेन में नागों की अदालत

उज्जैन (नप्र)। नाग पंचमी पर उज्जैन में महाकाल मंदिर के शिखर पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट गुरुवार रात 12 बजे खोल दिए गए। सबसे पहले श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरि महाराज और श्रीमहाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने त्रिकाल पूजा की।

करीब एक घंटे चली त्रिकाल पूजा और भोग लगाने के बाद आम लोगों को दर्शन के लिए मंदिर में प्रवेश दिया गया। नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट नाग पंचमी पर साल में एक बार ही खुलते हैं। ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर के दर्शन कर चुके हैं। करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के महाकाल मंदिर में आने का अनुमान था।

बड़वानी के सेंधवा में भीलटदेव मंदिर में बाबा का 101 लीटर दूध से अभिषेक किया गया। 108 व्यंजनों का भोग लगाकर सुबह 4 बजे महाआरती की गई। खंडवा के ओंकारेश्वर, पचमढ़ी के नागद्वारी, छतरपुर में जटाशंकर मंदिर और दमोह के बांदकपुर में जागेश्वरनाथ मंदिर में लगातार भक्त पहुंच रहे हैं।

रायसेन जिले के श्री रामरसिया धाम, सीहोरा खुर्द में आज नागों की अदालत लगेगी। इस अनोखी अदालत में सर्पदंश से पीड़ित लोग पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां उनके शरीर में नाग की आत्मा प्रवेश करती है और सर्पदंश का कारण बताती है।

अभिनेता राजपाल यादव ने किए दर्शन- बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव नाग पंचमी के मौके पर शुक्रवार को उज्जैन पहुंचे। राजपाल ने गर्भ गृह के बाहर से बाबा महाकाल के दर्शन किए। नंदी हॉल में ध्यान भी लगाया। इसके बाद नागचंद्रेश्वर भगवान के भी दर्शन किए। उनके साथ सीएम डॉ. मोहन यादव के भतीजे अभय यादव थे।

छतरपुर के जटाशंकर धाम में भोले का अभिषेक- छतरपुर का प्रसिद्ध जटाशंकर धाम जिला मुख्यालय से 58 किलोमीटर दूर है। बुंदेलखंड का केदारनाथ कहे जाने वाले जटाशंकर धाम में नाग पंचमी पर भगवा भोले का अभिषेक-पूजन करने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

रायसेन में लगेगी नागों की अदालत- नाग पंचमी के अवसर पर आज रायसेन जिले के गैरतगंज में नागों की अदालत लगेगी। श्री रामरसिया धाम, सीहोरा खुर्द में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। इस अनोखी अदालत में सर्पदंश से पीड़ित लोग पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां उनके शरीर में नाग की आत्मा प्रवेश करती है और सर्पदंश का कारण बताती है।

गणेश उत्सव की तैयारियां शुरू

मूर्ति को अंतिम रूप देने में लगे कारीगर; कोलकाता की मिट्टी से बन रही प्रतिमाएं

भोपाल (नप्र)। गणेश चतुर्थी को अब कुछ ही दिन बचे हैं, लेकिन भोपाल में इसकी तैयारियों की चहल-पहल शुरू हो गई है। मूर्तिकार दिन रात एक करके भगवान गणेश की मूर्तियां बना रहे हैं। हर बार की तरह इस साल भी शहर में 3 फीट से लेकर 50 फीट तक की प्रतिमाएं आकार ले रही हैं। हालांकि मूर्तियों को अंतिम रूप देना बाकी है।

वहीं, बड़ी मूर्तियों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। इन मूर्तियों के दाम उनके आकार, डिजाइन, रंग और इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं पर निर्भर करेंगे। यहां मूर्तियों की कीमत 500 रुपए से लेकर कई हजार तक है। मूर्ति की डिमांड को देखते हुए मूर्तिकार जनवरी से ही प्रतिमाएं बनाने के काम में जुट जाते हैं।

कोलकाता की मिट्टी से बन रही प्रतिमा- आनंद नगर के कृपाशंकर प्रजापति बचपन से मूर्तियां बनाते हैं। उनका कारखाना रत्नागिरी चौराहे के पास है। वे इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं बनाते हैं जिनमें कलकत्ता की मिट्टी, गुजरात का बालू, भूसा आदि का उपयोग होता है। गणेश चतुर्थी से 4 महीने पहले मूर्ति बनाने का काम शुरू हो जाता है और नवरात्रि तक चलता है। उनके यहां पश्चिम बंगाल से कलाकार और सामान मंगवाया जाता है।

मूर्तिकारों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें बारिश के मौसम में मूर्तियां सूखने में होने वाली दिक्कतें, कच्चे माल की उपलब्धता और बढ़ती लागत शामिल हैं। कृपाशंकर कहना है कि इस काम में परेशनियां बहुत है लेकिन बिना उसके आगे भी नहीं बढ़ा जा सकता।

मूर्तियों को बनाने में लगता है 2 महीने का समय- कोलकाता के नयन प्रजापति 20 सालों से मूर्ति बनाने का काम कर रहे हैं। ये अभी भोपाल के अयोध्या बायपास के पास पिछले ढाई महीनों से मूर्ति बना रहे हैं। नयन की अब तक 5 मूर्तियों की बुकिंग हो चुकी हैं जिसमें ढाई से 14 फीट तक की मूर्तियां शामिल हैं। उन्होंने कहा वो कस्टमर कि डिमांड के हिसाब से 20 फीट तक की प्रतिमाएं भी बनाते हैं। इनको बनाने में लगभग 2 महीने का समय लगता है। इस प्रक्रिया में मिट्टी को गूंथना, ढांचा तैयार करना, मूर्ति को आकार देना, रंग करना और सूखाना शामिल है।

बारिश की वजह से मूर्तियां नहीं सूखती- रायसेन के मूर्तिकार राज प्रजापति पिछले 10-12 सालों से मूर्तियां बनाने का काम कर रहे हैं। इनके यहां डेढ़ फीट से 16 फीट तक की मूर्तियां बनाई जाती हैं। उन्होंने बताया कि वो कस्टमर कि डिमांड पर 50 फीट तक की भी मूर्तियां भी बनाते हैं। राज ने कहा बारिश की वजह से थोड़ी दिक्कतें होती हैं, मूर्तियां सूखती नहीं है। इसके लिए पंखे और हलोजन लाइट का इस्तेमाल करना पड़ता है।

उमंग बोले-जहरीले सांपों की तरह आदिवासियों को डस रही भाजपा

नेता प्रतिपक्ष ने कहा-राखी,होली, मुहर्रम की छुट्टी,तो आदिवासी दिवस पर अवकाश क्यों नहीं

भोपाल (नप्र)। धार जिले के टांडा में आदिवासी दिवस पर आयोजित रैली में शामिल होने से पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मीडिया से चर्चा में कहा- विश्व आदिवासी दिवस पर मैं देश और प्रदेश के आदिवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। लेकिन भाजपा आदिवासियों का दमन कर रही है। आदिवासी दिवस पर छुट्टी नहीं की गई। शासन प्रशासन को कह रखा है कि आप ऐसे कार्यक्रम में न जाएं...क्या भाजपा आदिवासियों को देश की मुख्य धारा में नहीं लाना चाहती? भाजपा जहरीले सांप की तरह आदिवासियों को डस रही है।

उमंग सिंघार ने कहा- ये कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं हैं। भाजपा जिस तरह से विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर रही है। आप जब हर समाज को छुट्टी दे सकते हैं चाहे होली हो, दीवाली हो, राखी हो या मुहर्रम हो। तो विश्व में आदिवासी मनाया जा रहा तो मप्र सरकार को क्या परेशानी है। मुझे लगता है ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा जहरीले सांप पाए जाते हैं भाजपा उसी जहरीले सांप की तरह हो गई है आदिवासियों को ड़सने के लिए। ये आदिवासियों का अपमान है। और आदिवासियों का ये अपमान हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बीजेपी का जवाब-मोदी के राज में जनजाति वर्ग की बहन राष्ट्रपति बनी- नेता प्रतिपक्ष के बयान पर बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा-भाजपा सबका साथ सबका विकास और सबका सम्मान करने वाला राजनीतिक दल है। कांग्रेस ने अपने राजनीतिक 50 साल के सत्ता के इतिहास में कभी भी राष्ट्रपति आदिवासी नहीं बनाया। आज भारतीय जनता पार्टी ने देश के सर्वोच्च पद पर भी अगर किसी को बिठाया है तो वह भी इस जनजाति समाज की महिला हैं। शबरी माता के मंदिर को पूजने और मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन भी किसी ने किए तो वह भी भारतीय जनता पार्टी ने किया है।

भोपाल में चांदीपुरा वायरस का खतरा

खून चूसने वाली मक्खी से फैलती है बीमारी, लक्षण दिखें तो फौरन कराएं टेस्ट

भोपाल (नप्र)। खून चूसने वाली मक्खी (फेलोबोटेमस) भी खतरा बन रही है। यह मक्खी जानलेवा चांदीपुरा वायरस का संक्रमण फैलाती है। बच्चों में होने वाली यह बीमारी जानलेवा हो सकती है। अभी तक प्रदेश में इसके 4 मरीज सामने आ चुके हैं। वहीं, इसका टेस्ट सैंपल ब्लड से किया जा रहा है, जिसे एनसीएल पुणे लैब भेजा जाता है। जानकारों की मानें, तो इसके लक्षण दिखें तो तुरंत ही डॉक्टर की सलाह से इसका टेस्ट जरूर करवाएं।

विभाग द्वारा एडवाइजरी में कहा गया है कि वायरस का असर 18 साल के कम उम्र के बच्चों पर होता है। इस वायरस से वेक्टर कंट्रोल और जन जागरूकता से बचाव किया जा सकता है। वायरस के लक्षण के आधार पर संदिग्ध मामलों को बड़े स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया जाए। मवेशियों के आश्रय स्थल में छिड़काव के भी निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही, डॉक्टरों और कर्मचारियों को बिना बताए अवकाश पर न जाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि चांदीपुरा वायरस रैब्डोवीरिडी परिवार का एक सदस्य है जो देश के पश्चिमी मध्य और दक्षिणी हिस्सों में विशेषकर मानसून के मौसम में छुटपुट प्रकरणों और आउट ब्रेक का कारण बनता है। यह मुख्य रूप से सेंड फ्लाइस और टिक्स जैसे वाहकों द्वारा फैलता है।

सबसे अधिक मामले गुजरात में- चांदीपुरा वायरस एक तरह का सिंड्रोम है, जो विभिन्न वायरस, बैक्टीरिया, फ़ंगस, परजीवी ,स्पाइरोकेट्स, रसायन विषाक्त पदार्थ से तंत्रिका तंत्र में उत्पन्न होता है। जेई, डेंगू एचवीसीएचपीवी, वेस्ट नाइल आदि श्वस के कई ज्ञात कारण है। जून 2024 के आरंभ से गुजरात से 15 साल से कम उम्र के बच्चों में एक्यूट एनसिफिलाइटिक सिंड्रोम के प्रकरण मिले, 31 जुलाई, 2024 तक 148 एईएस प्रकरण गुजरात के 24 जिलों से 100, मध्य प्रदेश से 4, राजस्थान से 3 और महाराष्ट्र से सामने आए। जिनमें से 59 प्रकरणों की मृत्यु हो गई है। 51 प्रकरणों में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि हुई है ।

जानकारों के अनुसार

यह वायरस खून पीने वाली मक्खी से होता है, यह बीमारी ग्रामीण क्षेत्रों में पाई जाने वाली विशेष मक्खी फेलोबोटेमस से फैलता है। इसे सेंडफ्लाई भी कहते हैं जो घरों और दरवाजों की दरारों में अपना घर बनाती है। फेलोबोटेमस आकार में मच्छर से भी कई गुना छोटी (1.5 मिमी) होती है, इसलिए सामान्य रूप से दिखाई नहीं देती। यही नहीं यह आम मक्खियों के उलट यह खून चूसती है।

चांदीपुरा वायरस के लक्षण

- चांदीपुरा वायरस बीमारी की शुरुआत अक्सर तेज बुखार के साथ होती है।
- बुखार के बाद दौर पड़ना, दस्त और उल्टी जैसी तकलीफ हो सकती है।
- अंगों में सुस्ती, अंगों की गति में कमी या मानसिक स्थिति में बदलाव हो सकता है।
- सांस लेने में दिक्कत, निमोनिया और ब्लीडिंग भी हो सकती है।
- आखें चौंधियाना और गला जकड़ना भी।

अवैध फैक्ट्रियों के विरूद्ध चलेगा जाँच अभियान, जाँच दल गठित

इंदौर। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से बिना जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1974, वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1981 तथा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 के अंतर्गत बिना अनुमति प्राप्त किये अवैध फैक्ट्रियों का संचालन करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने जाँच समिति गठित की है। उक्त दल ऐसी फैक्ट्रियों जिनसे परिसंकट की स्थिति, नगरों के रिहायसी एवं व्यावसायिक स्थलों पर बिना उचित शासकीय अनुमतियों के संचालित होकर, जिनसे दुर्घटना होने पर जान-माल का खतरा उत्पन्न हो सकता है। ऐसी सभी फैक्ट्रियों को इस अभियान के तहत चिन्हित कर उन्हें नियमों की परिधि में लाने/आवासीय क्षेत्रों से अन्य स्थान पर विस्थापन की कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में संचालित अवैध फैक्ट्रियों, विस्फोटक निर्माण/भण्डारण / विक्रय करने वाली इकाईयों की जांच हेतु जांच दल गठित किया है। जांच समिति में आयुक्त नगर निगम, संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी, महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र, थाना प्रभारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं क्षेत्रीय अधिकारी मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को शामिल किया गया है।

एयरपोर्ट में सिक्योरिटी कल्चर सप्ताह का आयोजन

इंदौर। देवी अहिल्या बाई होलकर विमानतल इंदौर में सिक्योरिटी कल्चर सप्ताह 2024 का आयोजन किया जा रहा है। यह सप्ताह 05 अगस्त 2024 से 11 अगस्त 2024 तक मनाया जाएगा। इसी क्रम में एयरपोर्ट पर कार्यरत एजेंसी के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विमानपत्तन निदेशक श्रीमती सुधा रंगानाथन, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुरेंद्र सिंह कौरव, एएसओ राजेश रैकवार इत्यादि मुख्य रूप से मौजूद रहे। बच्चों को प्रबंधन द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुरस्कार के लिये कमेटी गठित

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने उम्दा कार्यों के लिए विभिन्न विभागों में अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कार देने के लिए चयन समिति गठित की है। चयनितों को 15 अगस्त को पुरस्कार दिया जायेगा। गठित समिति के अध्यक्ष जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन तथा सदस्यक अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्रसिंह रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) नगरीय श्रीमती सीमा अलावा, भिचौली हप्सी एसडीएम श्रीमती कल्याणी पाण्डे, सूचना एवं प्रकाशन विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. आर.आर. पटेल एवं सामाजिक न्याय एवं निशक्त कल्याण विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती सुचित्रा तिर्की बेक रहेंगे। सभी विभागों के नाम, पद नाम तथा पुरस्कार के कारण संबंधित जानकारी संकलित कर 11 अगस्त 2024 तक जिला पंचायत इन्दौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी के समक्ष प्रस्तुत की जायेगी।

सांवेर में वृहद स्वास्थ्य शिविर आज

इन्दौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बताया है कि आज 10 अगस्त को सांवेर में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्रीय ग्रामीणों से शिविर का लाभ लेने की अपील की है। मेगा स्वास्थ्य शिविर में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को विभिन्न बीमारियों की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श, अत्याधुनिक मशीनों से जांच एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएगी। यह शिविर सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा। यह शिविर सांवेर के सिविल हास्पिटल में होगा। इस मेगा कैम्प में कैंसर, सिकलसेल, टीबी, लेप्रोसी, सिलोकोसिस, दंत, नेत्र सहित अन्य गंभीर बीमारियों से प्रभावितों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। अत्याधुनिक मशीनों से माध्यम से विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच भी होगी। दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया जायेगा। शिविर में चिन्हांकित विभिन्न बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों के इलाज, ऑपरेशन आदि की आगे की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। इस मेगा हेल्थ कैम्प में मरीजों के पंजीयन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था भी रहेगी। साथ ही पंजीयन के लिए पर्याप्त स्टॉल भी रहेंगे। बताया गया कि चिह्नित मरीजों का वैज्ञानिक रूप से डाटाबेस तैयार कर उनकी लगातार मॉनिटरिंग और फॉलोअप किया जायेगा। इसके लिए एक विशेष पोर्टल एवं एप भी तैयार किया जा रहा है। इसमें मरीज और उनकी बीमारी तथा उसे उपलब्ध उपचार की जानकारी रहेगी। शिविर में अरविंदों मेडिकल कॉलेज, शैल्बी अस्पताल, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज सहित अन्य शासकीय-अशासकीय चिकित्सालयों के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों का परीक्षण कर उपचार करेंगे। शिविर में चिन्हांकित गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों के इलाज हेतु इंदौर भी लाया जायेगा। कैम्प आयोजन के पश्चात मरीजों का फालोअप किया जायेगा। कैम्प में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ दिव्यांगजनों के मेडिकल प्रमाण पत्र, सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किये जायेंगे। शिविर में आयुर्वेद विभाग द्वारा भी अपनी सेवाएं दी जायेंगी।

शहर में छात्रों के लिए जल्द बनेगी नई सरकारी लाइब्रेरी

इंदौर। इंदौर को जल्द ही एक नई सरकारी लाइब्रेरी की सौगात मिलने वाली है जो भंवरकुआं क्षेत्र में स्थापित की जाएगी। ये सुविधा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए एक स्थान प्रदान करेगी। लाइब्रेरी में निजी लाइब्रेरी जैसी ही सुविधाएं होंगी, जिसमें छात्रों से मामूली शुल्क लिया जाएगा, हालांकि फीस अभी तय की जानी है।

जिला पंचायत के सीईओ के अनुसार एक नई लाइब्रेरी के लिए योजना चल रही है. वो वर्तमान में होलकर विज्ञान महाविद्यालय और उसके आसपास पुस्तकालय के लिए स्थानों की पहचान कर रहे हैं. इस सुविधा को निजी पुस्तकालयों के समान बुनियादी ढांचे के साथ डिजाइन किया जाएगा और इसमें परीक्षा से संबंधित पुस्तकें और एक रीडिंग रूम जैसे संसाधन शामिल होंगे. इसके अलावा, यदि छात्रों को मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, तो निजी या सरकारी कॉलेजों के प्रोफेसरों को सहायता प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है.

इंदौर कलेक्टर ने बैठक में बताया कि लाइब्रेरी की योजना अभी भी प्रगति पर है. उन्होंने भंवरकुआं क्षेत्र में एक सुसज्जित लाइब्रेरी की आवश्यकता पर जोर दिया. कलेक्टर सिंह ने ये भी बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जल्द ही भंवरकुआं क्षेत्र में लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी और इसके लिए उपयुक्त स्थान की तलाश शुरू हो चुकी है.

शासकीय कन्या स्कूल में छात्राओं के कपड़े उतरवाकर तलाशी के मामले में हाई कोर्ट ने जारी किया नोटिस, अगली सुनवाई 17 अगस्त को

इंदौर। एमपी हाई कोर्ट ने इंदौर के स्कूल में 2 अगस्त को मोबाइल के लिए एक शिक्षिका द्वारा नाबालिग छात्राओं के कथित रूप से कपड़े उतरवाकर तलाशी लिए जाने पर राज्य सरकार को शुक्रवार को नोटिस जारी किया. नोटिस में इस कथित घटना को लेकर उठाए गए कदमों के बारे में राज्य सरकार से हफ्ते भर में रिपोर्ट तलब की गई है।

इंदौर हाई कोर्ट की पीठ के जज सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जज दुप्पला वेंकटरमणा ने सामाजिक कार्यकर्ता चिन्मय मिश्रा की जनहित याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया. याचिका पर सुनवाई के दौरान मिश्रा के वकील अभिनव धनोदकर ने दावा किया कि पीड़ित छात्राओं के परिजनों की ओर से पुलिस को दो अगस्त को शिकायत दर्ज कराने के हफ्ते भर बाद भी इस मामले में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं किया गया है।

पालकों ने मारपीट का भी लगाया आरोप

उन्होंने बताया कि छात्राओं के पालकों ने इस कथित घटना को लेकर मल्हारगंज पुलिस थाने में शिक्षिका के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई जिसमें तलाशी के दौरान लड़कियों के साथ मारपीट का आरोप भी लगाया गया. अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के नाम पर छात्राओं से अभद्र बर्ताव के आरोप का सामना कर रही शिक्षिका को संबंधित सरकारी विद्यालय से हटा कर जिला शिक्षा कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है।

ढाई लाख से ज्यादा भक्तों ने किए नागचंद्रेश्वर के दर्शन

उज्जैन (एजेंसी)। नाग पंचमी पर उज्जैन में महाकाल मंदिर के शिखर पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट गुरुवार रात 12 बजे खोल दिए गए। सबसे पहले श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरि महाराज और श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने त्रिकाल पूजा की।

करीब एक घंटे चली त्रिकाल पूजा और भोग लगाने के बाद आम लोगों को दर्शन के लिए मंदिर में प्रवेश दिया गया। नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट नाग पंचमी पर साल में एक बार ही खुलते हैं।अब तक ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर के दर्शन कर चुके हैं। यहां आज करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के महाकाल मंदिर में आने का अनुमान है।बड़वानी के सेंधवा में भीलटदेव मंदिर में बाबा का 101 लीटर दूध से अभिषेक किया गया। 108 व्यंजनों का भोग लगाकर सुबह 4 बजे महाआरती की गई। खंडवा के ओंकारेश्वर, पचमढ़ी के नागद्वारी, छतरपुर में जटाशंकर मंदिर और दमोह के बांदकपुर में जागेश्वरनाथ मंदिर में लगातार भक्त पहुंच रहे हैं।रायसेन जिले के श्री रामरसिया धाम, सीहोरा खुर्द में आज नागों की अदालत लगेगी। इस अनोखी अदालत में सर्पदंश से पीड़ित लोग पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां उनके शरीर में नाग की आत्मा प्रवेश करती है और सर्पदंश का कारण बताती है।

अभिनेता राजपाल यादव ने किए दर्शन

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव नाग पंचमी के मौके पर शुक्रवार को उज्जैन पहुंचे। राजपाल ने गर्भ गृह के बाहर से बाबा महाकाल के दर्शन किए। नंदी हॉल में ध्यान भी लगाया। इसके बाद नागचंद्रेश्वर भगवान के भी दर्शन किए।

भंवरकुआं और खजराना ब्रिज के एक हिस्से में जल्द शुरू होगा ट्रैफिक : आईडीए अध्यक्ष

इंदौर। शहर के आईडीए अध्यक्ष दीपक सिंह ने गुरुवार को निर्माणाधीन ब्रिज का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने दोनों फ्लाईओवर के प्रोग्रेस का जायजा लिया. इस मौके पर प्राधिकरण के मुख्य कार्यालय अधिकारी आरपी अहिरवार मौजूद रहे। फ्लाईओवर के काम को लेकर अहिरवार ने बताया कि खजराना और भंवरकुआं फ्लाईओवर का काम लगभग पूरा हो गया है. खजराना फ्लाईओवर का एक हिस्सा यातायात के लिए तैयार है, लेकिन इसका क्यूरिंग और बिजली का काम अभी बाकी है.उन्होंने कहा कि खजराना और भंवरकुआं फ्लाईओवर का काम 80 से 85 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है।

शहर में बाधक दरगाह को हटाने के बाद कई और धर्मस्थलों की शिफ्टिंग को लेकर बनी सहमति

इंदौर। इंदौर में कल सरवटे टू गंगवाल रोड में बाधक दरगाह को हटाने के बाद अब शेष दस और धर्मस्थलों को शिफ्ट किए जाने की कार्रवाई जल्द पूरी हो सकती है। इसके लिए कुछ मंदिरों के प्रमुखों के साथ निगम अफसरों की बैठक हुई थी। कुछ जगह लोगों ने खुद ही धर्मस्थल के हिस्से हटाने की बात कही है।

शहर में सरवटे टू गंगवाल सड़क के लिए कई हिस्सों में अभी भी काम बाकी है। वहीं जिन मार्गों पर सड़क निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, वहां अब धर्मस्थलों की बाधाएं हटाने का काम चल रहा है। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक सबसे ज्यादा बाधाएं दरगाह चौराहे से लेकर गंगवाल बस स्टैंड के बीच हैं, जहां सड़क के दोनों ओर कई मंदिर और अन्य धर्मस्थल हैं। इससे पहले बियाबानी में एक धर्मस्थल की दीवार पहले ही रहवासियों और समाजजनों की मौजूदगी में हटा ली गई थी। अब शेष बचे बाधक धर्मस्थलों को लेकर दो दिनों से निगम अफसर बैठकें ले रहे हैं और जल्द ही अन्य धर्मस्थल भी शिफ्ट किए जाएंगे। वहीं कई बाधक मंदिरों से जुड़े प्रमुख लोगों ने अपने स्तर पर बाधाएं हटाने की बात भी कही है, ताकि सड़क के लिए राह आसान हो सके।

बीफार्मा स्टूडेंट सुसाइड केस में इंग्लिश टीचर पर एफआईआर

परिवार के बयान के बाद पुलिस की कार्रवाई, टीचर की मां को भी बनाया आरोपी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की बाणगंगा पुलिस ने मंगलवार को बीफार्मा के स्टूडेंट सुसाइड केस में ब्लैकमेल करने वाली इंग्लिश टीचर और उसकी मां को आरोपी बनाया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने रेप का केस दर्ज कराने की बात पर महिला थाने में पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर दबाव बनाया और रुपए का लेनदेन किया था।बाणगंगा पुलिस ने गौरव हाड़ा (19) की मंगलवार रात सुसाइड के मामले में पुलिस ने परदेशीपुरा में इंग्लिश की कोचिंग पढ़ाने वाली टीचर आकांक्षा कोरी और उसकी मां आरती कोरी पर आत्महत्या के लिये उकसाने सहित गंभीर धाराओं में गुरुवार रात केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने छात्र के पिता राजू के बयान लिये थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि बेटे गौरव ने उन्हें जानकारी दी थी 11 माह से आकांक्षा उसे परेशान कर रही है। दोनों की दोस्ती है। वह ब्लैकमेल कर रुपए की डिमांड कर रही है। 5 अगस्त सोमवार को आकांक्षा अपनी मां आरती को लेकर घर आई। यहां रुपए मांगे। तब राजू ने कहा कि दोनों पढ़ने-लिखने वाले बच्चे हैं। उनका भविष्य खराब हो जाएगा। आकांक्षा ने कहा कि कल (मंगलवार) सुबह महिला थाने आ जाना। मैं तुम्हें छोड़ूंगी नहीं। मंगलवार को हम महिला थाने गए। यहां पर आकांक्षा और उसकी मां आरती पहले से बैठे थे। उन्होंने रेप की झूठी एफआईआर दर्ज करने की धमकी दी। लेकिन उन्होंने पैसे लेने की बात कहकर समझौता कर लिया। इसी दिन शाम को आकांक्षा और उसकी मां फिर घर आ गई। यहां उन्होंने बेटे को काफी बुरा-भला कहा। इसके बाद गौरव कमरे में चले गया। यहां उसने सुसाइड कर लिया। इन बयानों के बाद पुलिस ने गुरुवार देर रात एफआईआर दर्ज की है।

इंदौर से आखिरी बार 12.40 बजे रवाना हुई दुबई फ्लाइट

इंदौर (एजेंसी)। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट से सीधी दुबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट बंद हो गई है। इसके बदले सप्ताह में दो दिन चलने वाली शारजाह फ्लाइट के फेरे बढ़ा कर चार दिन कर दिया है। इंदौर से दुबई के लिए कोविड के पहले सप्ताह में तीन दिन उड़ान का संचालन होता था। लेकिन कोरोना काल के बाद जब एयर इंडिया एक्सप्रेस वापस संचालन शुरू किया तो इंदौर से सप्ताह में दो दिन के लिए शारजाह, जबकि एक दिन के लिए दुबई उड़ान का संचालन करने लगी थी। लेकिन गुरुवार को अचानक कंपनी ने अब दुबई की उड़ान को बंद कर दिया है।इंदौर से दुबई की आखिरी उड़ान देर रात 12.40 बजे दुबई के लिए रवाना हुई। बताया जा रहा है कि इस उड़ान में 80 प्रतिशत कैपिसिटी के साथ यात्रियों ने यात्रा की है। वहीं एयरपोर्ट व ट्रैवल एजेंटस से मिली जानकारी के अनुसार इंदौर से दुबई की सीधी फ्लाइट को दुबई एयरपोर्ट पर सही स्लॉट नहीं मिलने के कारण बंद किया गया है। वहीं सूत्रों की मानें तो कंपनी ने इंदौर से दुबई की फ्लाइट का परमानेंट बंद नहीं किया है। वह सही स्लॉट मिलने पर दोबारा इंदौर से इस फ्लाइट का संचालन शुरू करेगी

समय स्लॉट के कारण बंद हुई, विंटर शेड्यूल में फिर मिलने की उम्मीद

कंपनी विंटर शेड्यूल के बाद इस फ्लाइट का संचालन फिर से करेगी

दुबई फ्लाइट बंद होने से यह होंगे नुकसान

- दुबई के बजाए शारजाह पहुंचेंगे, वहां से 40 मिनट का सफर सड़क मार्ग से तय करना होगा
- वापसी में भी दुबई से शारजाह आकर एयरपोर्ट आना होगा
- जिन यात्रियों की यूरोप के लिए कनेक्टिंग उड़ान होगी, उन्हें शारजाह पहुंच कर दुबई जाना होगा।
- उड़ान लेट होने पर आगे की उड़ान छूटने का डर बना रहेगा।

इंदौर के रिटायर्ड बैंक अफसर से 39.60 लाख की ठगी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के रिटायर्ड बैंक अफसर को बदमाशों ने कई घंटे तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। उन पर स्काइप एप के जरिए कैमरा ऑन करके पूरी नजर रखी गई। इतना ही नहीं बच्चों की तस्करी में नाम आने की धमकी देकर ईडी की गिरफ्तारी के नाम पर डराया। इसके बाद 39.60 लाख रुपए ठग लिए। ये पैसा अलग-अलग अकाउंट में ऑनलाइन जमा कराया। लसूड़िया पुलिस ने गुरुवार को इस मामले में केस दर्ज किया है। महालक्ष्मी नगर के सन सिटी में रहने वाले राकेश कुमार गोयल 2012 में बैंक से रिटायर हुए। उन्होंने पुलिस को बताया कि 11 जुलाई को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को मुंबई के अंधेरी थाने का जवान बताया। कहा कि तुम्हारे खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के केस में वारंट जारी हुआ है।

ईडी के अफसर बनकर बदमाशों ने की बात

इसके बाद कॉलर ने कहा कि मैं तुम्हारा कॉल ईडी ऑफिस में ट्रांसफर कर रहा हूं। कुछ देर बाद दूसरे लोगों ने मुझसे बात की। मुझे कहा गया कि मेरी आईडी से एक नया बैंक अकाउंट खोला गया है। उसके माध्यम से 8 करोड़ 20 लाख रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। यह पैसा बच्चों की तस्करी में इस्तेमाल किया है।बदमाशों ने गोयल को बताया कि हमारे रिकॉर्ड के अनुसार आपके और अपराधी के बीच कॉन्ट्रैक्ट हुआ है। इसके तहत आपके बैंक अकाउंट का उपयोग करने के बदले अपराधी आपको 82 लाख रुपए देगा। इस अकाउंट से पैसे का ट्रांजेक्शन बच्चों के अंग बेचने के लिए की गई मनी लॉन्ड्रिंग में किया गया है।

स्काइप एप डाउनलोड कराया, लाइव प्रेस कॉन्फ्रेंस दिखाई

गोयल ने पुलिस को बताया कि बदमाशों ने मेरे मोबाइल पर स्काइप एप डाउनलोड कराया। मुझे अपना ही लॉगिन आईडी और पासवर्ड दिया। वह मुंबई पुलिस के नाम से था।

मेरे लॉगिन होने के बाद उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस दिखाई। जिसमें दो व्यक्ति दिखाई दे रहे थे। बाद में तीसरे को कैमरे के सामने लाकर मुझे बताया कि इनके घर में चैकिंग के दौरान बैंक पास बुक मिली है। वह आपके नाम से है। इस अकाउंट से 8 करोड़ 20 लाख रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग की गई है।

जमा पैसे का सर्टिफिकेट भेजा, इसी से हुआ शक

12 जुलाई की रात को बदमाशों ने दूसरे नंबर से कॉल किया। पूछा कि किसी से संपर्क तो नहीं किया। इस बारे में किसी को बताया तो नहीं। मेरे मना करने पर उन्होंने जमा किए गए पैसे का एक सर्टिफिकेट भेजा। इसमें शासकीय चिन्ह अंकित था। इस सर्टिफिकेट पर शक हुआ तो उसे अपने डीएसपी दोस्त को भेजा। तब उन्होंने बताया कि मेरे साथ फ्रॉड हुआ है। इसके बाद मैंने क्राइम ब्रांच से शिकायत दर्ज कराई।

जांच में क्लीन चिट मिलने पर रुपए लौटाने का भरोसा दिया

मोबाइल में स्काइप एप डाउनलोड कराने के बाद मेरे एसबीआई के एप से अकाउंट की डिटेल निकाली। यहां से उन्होंने न्यू इंडिया कंपनी के अकाउंट में 21 लाख रुपए जमा कराए। इसके बाद स्काइप एप डिस्कनेक्ट कर दिया। लेकिन मोबाइल पर बार-बार लोकेशन पूछते रहे। अगले दिन 12 जुलाई को फिर कॉल आया। बताया कि आपके अकाउंट की निगरानी आपके रिटायरमेंट के बाद से ही की जा रही है। मनी लॉन्ड्रिंग के केस में 19 लाख की एक एंट्री नहीं मिल रही। इसलिए पत्नी के अकाउंट की भी जांच होगी।उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच में गड़बड़ी नहीं मिली तो पूरा पैसा वापस मिल जाएगा। इसके बाद उन्होंने पत्नी के अकाउंट में जमा 18 लाख रुपए की एफडी तुड़वाई। इस पैसे को डीपीडी एसोसिएट के खाते में ट्रांसफर कराया। इसके बाद मेरे अकाउंट से 60 हजार रुपए और लिए। ये पैसे मेजोगो टेक प्रा.लि. के अकाउंट में डाले।

ADV. RAJEEV KUMAR RANJAN : Solved 25,000+ cases and provided free legal assistance to 300+ people

Law is the supportive pillar of human civilization and the foundation on which society exists and thrives. A lawless world cannot be imagined without the reign of chaos and supremacy of inorder and crime, enough to turn this majestic world into a nightmare.

Rajeev Kumar Ranjan is a name synonymous with law. For more than the past 2 decades, he has been serving Indian society by way of nourishing minds with law. He is a legal connoisseur who has dedicated his whole life to the maintenance of societal order and upliftment of the weaker section. During his shining tenure of 22 years, he has solved more than an astounding number of 25,000 cases and has provided free legal assistance to more than 300 people. He is also an official lawyer appointed by Union of India to represent the Union of India Cases before Supreme Court of India. He has established 3 NGOs for the betterment of people and has played a vital role in preparing the next generation of lawyers in India. This tale delves into the story of a law maestro turned national hero, who selflessly helped thousands conquer the land of knowledge and power.

EARLY LIFE - Mr. Rajeev was born on 30 November 1976 in a small village named, Maudah Chattur, Post Office Mauda, P.S. Patepur in the Vaishali district of Bihar. Being born into a modest Indian family, he was always enriched with values of selflessness and compassion. He learned the significance of education from his father, Shri Madam Mohan Prasad, was a government school teacher as well as a social worker. His late mother, Shrimati Pramila Devi was also a social worker and an Anganwadi sevika, who played a major role in inspiring him. He had always been fascinated with law and right after passing 10th class with first division, he joined the L.S. College in Muzaffarpur to complete his graduation in English Honours. After graduating with flying colors he got admission in the S.K.J. Law College of BRAB University in Muzaffarpur to complete his law degree. During his career he completed LLM and other professional certificate course, he also achieved a Honorary Doctorate degree in Law. Mr. Rajeev is an epitome of knowledge and shines bright as a diamond from even afar.

HIS JOURNEY - Law plays a pivotal role in shaping our society and serves as a cornerstone of justice and peace. Its significance cannot be looked over since it is the only medium through which people can exercise their rights. Young Rajeev, as he made his way to college every morning, was overwhelmed seeing people dressed in neat outfits make their way to courts. He was profoundly impressed by the black coats and always wanted to earn one. Right after graduation he decided he wanted to become more than just a lawyer. He wanted to be a law connoisseur and made up his mind regarding serving the society. He started going to villages near his hometown and observed the prevailing conditions. His frown knew no boundaries as he came face to face with the miseries people experienced on a daily basis. Illiteracy had cluttered their minds and they were as unaware as animals. He decided to change this narrative that very day. This was the event that marked the beginning of his iconic awareness sessions which initially, were conducted by gathering a bunch of people in a corner and educating them about the financial aid policies which are run by the government for their benefit. Day after day and session after session, things became more serious as hundreds of people started attending these sessions. He educated them about their rights as citizens and motivated them to fight back all the adversaries, clouding their life with turmoil. He also offered to help them carry out their registrations for availing the benefits. The success was apparent as people became more aware and knowledge helped them unlock their true potentials.

Later in 2002, he made his way to the capital city, Delhi and had an internship done under expert lawyers of the Supreme Court of India. After learning each provision of law by heart, he started his own firm named 'Ranjan & Co, Advocates & Legal Consultants' in the year 2003. Being the hardworking professional that he was, his eyes glared with the fire of achieving just one goal – Establishing India as a global leader of law and order by developing a powerful workforce of aspiring lawyers. This was a turning point in his career as he took matters in his own hands and started working for the betterment of lawyers. He provided paid internships to hundreds of young trainees and taught them every single detail stored in his mind. He also acted as a lecturer and gave lectures on legal aspects in many prominent meetings and seminars. The year 2013 marked as a milestone in his journey as he established the International Law Firm LLP for the sole purpose of enriching India with international law. Over the past 2 decades he fought 300 complicated cases absolutely free of cost for the people who could not afford to hire a lawyer and professionally put more than 25,000 cases to rest. The numbers are definitely astonishing but little did he know that there was more to come. On a bright afternoon of 2019, he received a notification from the Ministry of Law and Justice that he has been selected as an official 'Group - A' Counsel to defend the Union of India in cases before the Supreme Court. One will be shocked to know that this is the highest title a lawyer can achieve in India but this did not come off as a shocker to him as he has always been sure of his commitments. In 2018, he again made exceptional progress by finding the 'International Human Rights Council' and thereafter he established World Harmony & Peace Foundation, as well as Pramila Devi International Arbitration and Dispute Resolution Council made solely to impart peace and harmony by ensuring human rights for all and for the purpose of ADR.

Upon being asked about his future plan, Mr. Rajeev said "I can't be grateful enough for these past 22 years. Although we've made a lot of progress, yet India still has a long way before it matches the international standards of law and justice. I hope to play my part and serve my country through the medium of law". Ultimately his perseverance is bearing fruit as he continues to empower the next generation lawyers and advocate for social justice to platform the marginalized. This law guru embodies the spirit of patriotism and justice runs through his veins.

HIS PROJECTS

FREE LEGAL ASSISTANCE

Mr. Rajeev is a beacon of hope for the oppressed and voiceless. He has fought the court cases and resolved by ADR of more than 300 people, absolutely free of cost so far. Most of these are matrimonial disputes between families where a member is exploited by the rest of the family. India is a developing country and we have come so far in terms of women's rights and safety other than matrimonial disputes he resolve the issues related to property disputes, contractual & other disputes. Yet, even to this day many married women continue to face oppression as they are discarded by their husbands and in-laws and are not provided any maintenance for survival either. On the other hand, unaware and innocent people face false acquisitions from the greedy, due to their lack of legal knowledge. These are the cases that fall under the ambit of Mr. Rajeev's free legal assistance programs. In addition to this, he has also provided financial support to the unfortunate sections of society by paying the court fees, on their behalf.

CITIZEN-CENTRIC AWARENESS PROGRAMMES

This is one of his most prominent and widely spread projects as he aims to enrich people's minds with legal knowledge. He often visits villages that are situated near his office. There, he arranges comprehensive awareness sessions for the villagers in which they are made aware of the government policies that have been initiated for their betterment. He has educated thousands of people so far, regarding their rights, and with his efforts, thousands of people have been able to avail financial aid under various policies of the government. Along with this, he has also roughly 20 detailed seminars on government policies and human rights, where eminent lawyers have joined him to create awareness among people. These seminars have been attended by more than 10,000 people so far and has helped thousands claim financial assistance from the government.

EDUCATING YOUNG LAWYERS

This initiative of his will truly go down in the history of Indian law as he has played his part in preparing a strong army of lawyers to support the Indian judiciary and its ancillaries. He has educated aspiring lawyers and helped them become employable in the following ways:

PAID TRAININGS AND EMPLOYMENT

Mr. Rajeev is a proprietor in his own law firm Ranjan & Co. as well as a designated partner in the 'International Law Firm LLP'. He practices in the various fields of law through these two organizations of his and is a partner or director in many other welfare organizations. He has provided employment to an astonishing number of 125 advocates & paralegal staff, to whom he provides retainership & salary. These advocates & paralegal staff are located at various parts of India and he provides trainings and employment to them virtually, so they don't have to go through the hassle of relocating. While it is a widely known phenomena that law internships are unpaid and students go through regressive trainings for years, without being paid, it is no less than a blessing to have people like Mr. Rajeev who have never employed any trainee without pay.

PROFESSIONAL LEGAL PRACTICE

Mr. Rajeev has been a commendable lawyer for the past 22 years. It is astounding that during these 2 decades he has helped solve 25,000 cases which are goldy numbers for any lawyer around the globe. His fields of specialization include Matrimonial disputes, Banking regulations, Intellectual Property, Property matters, Commercial, Constitutional and Arbitration. In 2019, he was appointed as counsel for the Union Of India (Group - A) by the Ministry of Law and Justice, to represent Union of India cases before the Hon'ble Supreme Court of India. This is a matter of extreme prestige as only the most sought after lawyers in the whole country are offered this position. Since his registration as lawyer he is practice in different court of law in India. This position is only given to an individual for a period of 3 consecutive years, after which it lapses. But upon seeing Mr. Rajeev's excellence and sheer dedication he has recently been appointed again by the law ministry, which makes him utterly special.

He is a shining addition to any firm and is known to lead with grace and capability. Mr. Rajeev holds multiple directorships and leading positions at many reputed organizations and associations. Here is a quick list of the positions he holds :

Proprietor at Ranjan & Co. (Advocates and Legal Consultants)

Designated Partner at International Law Firm LLP

Director at International Human Rights Council

Director at World Harmony and Peace Foundation

Director at Pramila Devi International Arbitration and Dispute Resolution Council

Director of Supreme Court Bar Association Multi State Cooperative Group Housing Society Ltd.

Member of Indian Council of Arbitration and empanelled Arbitrator

Member of Indian Law Institute

Member- International Council of Jurists, London

Member- Indian Council of Arbitration

HIS AWARDS

As the famous quote states "No good deed ever goes unnoticed", similarly Mr. Rajeev has been recognized and for his eminence worldwide and has been awarded ample of times by well known parties. His major awards as as listed:

- Cooperative Ratan Award by Government of NCT of Delhi
- PH.D in International Law (Honorary) by Yesbud University of Zambia
- LL.D (Honorary) by Commonwealth Vocational University of Kingdom of Tonga
- Chanakya Award by Summit India
- Asia Iconic award by Global Human Rights Council

IMPACT OF HIS WORK ON SOCIETY

DEVELOPED A STRONG LAWYERS WORKFORCE

Mr. Rajeev has provided employment to 125 young advocates & paralegal staff by providing them training and rewarding them with retainership fees. He discourages unpaid work and aims to help young lawyers become employable. He has provided 1,000 free books and also provides free education and imparts legal knowledge by way of conducting seminars and uploading free content on YouTube and similar social media platforms. He has conducted more than 20 seminars so far. His awareness programmes are the most loved among students and are attended by thousands both physically as well as virtually. This way he has pushed the limits for countless young aspirants who hope to become future law gurus. By the virtue of his kindness and dedication, he has helped prepare a very strong workforce of future lawyers.

Establishing India As A Global Law Connoisseur

To love your country, is to save its repute. This has been strongly affirmed by Mr. Rajeev by his journey to the topmost organizations of the world. He holds the position of directorship at the International Human Rights Council, the World Harmony and Peace Foundation, Pramila Devi International Arbitration and Dispute Resolution Council and is a member of the International Council of Jurists of London. By representing India at the highest authorities and enriching the International law with Indian principals, he is emerging as a true philanthropist and patriot. Similarly, he continues to bring international standards in the Indian laws and helps us flourish as a major law super-power in the eyes of the world.

Mr. Rajeev's legacy is a testament of profound intellect and unwavering commitment to making a positive impact on the world, with the help of justice.

कथित कल्याण संपत गार्डन हाउसिंग सोसायटी के रहवासियों की सुरक्षा खतरे में

इंदौर। बहुत चर्चित कल्याण संपत गार्डन हाउसिंग सोसायटी पुनः विवादों के घेरे में है। इन दिनों सोसाइटी में कई निर्माण कार्य चल रहे हैं। सोसाइटी निवासियों का आरोप है कि यहां के निवासियों की सुरक्षा एवं जान माल की कीमत पर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। अनेक रहवासियों का आरोप है की सोसाइटी के अनेक ब्लाकों में स्थाई निवासियों के अलावा भी कई किराएदार रहते हैं। ये लोग कौन हैं ? इनकी पृष्ठभूमि क्या है ? इसकी किसी को जानकारी नहीं है। पुलिस प्रशासन का स्पष्ट निर्देश है कि प्रत्येक किराएदार का पुलिस वेरीफिकेशन जरूरी है। बावजूद इसके किरायेदारों को फ्लैट देना और इस प्रक्रिया पर कोई सक्षम निगरानी न होना, रहवासियों की सुरक्षा से खिलवाड़ है। निवासियों का यह भी आरोप है कि सोसायटी के प्रवेश द्वार के निकट फव्वारा लगाया जा रहा है, जिसके कारण इस सीमित क्षेत्र में हमेशा ही भीड़ बनी रहेगी और आवागमन बाधित होगा जिसके चलते दुर्घटना की आशंका भी बनी रहेगी। कई निवासियों ने आरोप लगाया है की अनेक ब्लॉकों में लिफ्ट आए दिनों खराब रहती है। निवासी डर-डर कर ही इनका उपयोग करते हैं। खराब लिफ्ट बदलने के स्थान पर सौंदर्यीकरण के नाम पर निवासियों द्वारा वसूली गई मेंटेनेंस राशि का इस तरह दुरुपयोग खेद जनक है।

उल्लेखनीय है कि समिति के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों के त्यागपत्र के कारण सहकारिता विभाग द्वारा यहां प्रशासक नियुक्त किया गया था। लेकिन वह पूरी तरह निष्क्रिय है। समिति का कामकाज एक तथा कथित कार्य समिति देख रही है। इस समिति को केवल न्यूनतम एवं कामकाजी अति आवश्यक फैसले लेने थे। निर्माण संबंधी लाखों रुपए व्यय करने का इसे अधिकार नहीं है। सोसाइटी के चुनाव करवाए जाने प्रस्तावित हैं। लेकिन इस और किसी का ध्यान नहीं है।

एक शिक्षक बनाएगा लगातार 12 घंटे तक बोलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

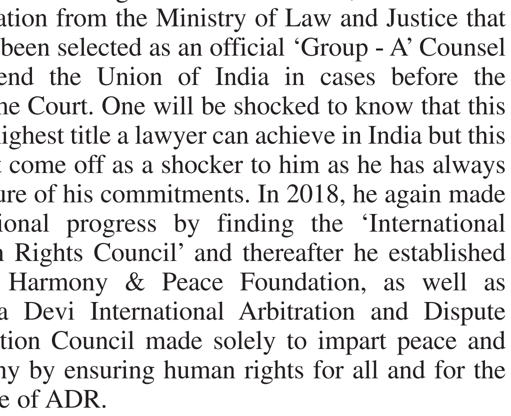

इंदौर। इंदौर शहर जहां वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए जाना जाता है वहीं इंदौर के एक शिक्षक डॉ. कुणाल मिश्रा आज 10 अगस्त शनिवार को लगातार 12 घंटे तक पर्सनालिटी डेवलपमेंट, कॉर्पोरेट ग्रूमिंग व बिज़नेस ट्रेनिंग जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। डॉ. कुणाल मिश्रा यह रिकॉर्ड शनिवार सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक लगातार 12 घंटे तक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बनायेंगे। ज्ञात हो डॉ. कुणाल मिश्रा इंदौर में पिछ्ले 50 वर्षों से संचालित होने वाली संस्था एसजीएम इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर व प्रख्यात शिक्षक डॉ. राजेश मिश्रा के सुपुत्र है व मध्यप्रदेश के पहले व भारत के चौथे ऐसे व्यक्ति है जिन्होंने बॉडी लैंग्वेज में पीएचडी की है। डॉ. मिश्रा इस वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपने 15 वर्षों का अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा कर इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को बनाकर इंटरनेशनल बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करायेंगे।

आपकी शिकायत/समस्याओं में

आपका साथी

दैनिक सद्भावना पाती

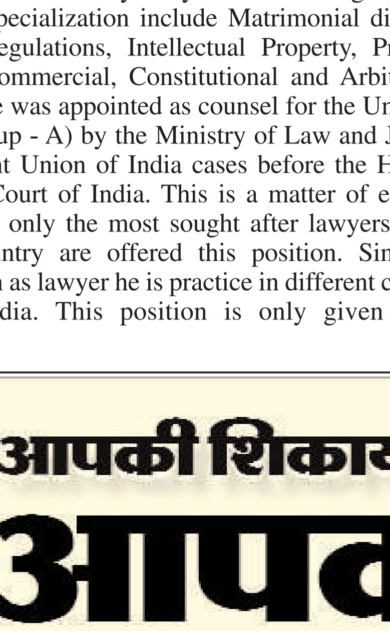

शिकायत / पत्र संपादक के नाम

आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।

सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें

और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।

हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।

केवल व्हाट्स एप करें, कॉल न करें।

व्हाट्स ऐप न. 9685611304

ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com

नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एलआईसी ने टाटा की तीन कंपनियों में घटा दी हिस्सेदारी, 75 शेयरों में बढ़ा दिया स्टेक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी के इक्विटी पोर्टफोलियो की मार्केट वैल्यू जून तिमाही में 15 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। पिछले तीन साल में यह लगभग दोगुनी हो गई है। प्राइम इन्फोबेस के आंकड़ों के मुताबिक जून तिमाही के अंत में एलआईसी के पास 282 कंपनियों में हिस्सेदारी थी जिसकी कुल मार्केट वैल्यू मार्च 2021 में 7.67 लाख करोड़ रुपये से दोगुना होकर 15.72 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह देश की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी टीसीएस के मार्केट कैप के बराबर है। देश के सबसे बड़े संस्थागत निवेशक ने साल की पहली तिमाही में एनएसई पर लिस्टेड कम से कम 95 शेयरों में हिस्सेदारी कम की जबकि 75 कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी। इस दौरान एलआईसी ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बीएचइएल,

एचपीसीएल और गेल जैसे कुछ पीएसयू शेयरों में अपनी हिस्सेदारी कम की है।
मार्च तिमाही में बैंक ऑफ महाराष्ट्र में एलआईसी की हिस्सेदारी 4.10 प्रतिशत से घटकर 1 प्रतिशत रह गई। इसी तरह कंपनी ने संभवत: लिमि. में पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। एलआईसी ने जून तिमाही में टाटा पावर में अपनी हिस्सेदारी 154 बीपीएस घटाकर 5.78 प्रतिशत कर दी है। इसी तरह कंपनी ने वोल्टास में 124 बीपीएस, हीरो मोटो में 122 बीपीएस, टाटा केमिकल्स में 115 बीपीएस और बीएचईएल में 85 बीपीएस स्टेक घटा दिया।

ई-कॉमर्स: त्योहारों से पहले मिलेंगे 12.5 लाख रोजगार, कुल भर्तियों में 10 लाख अस्थायी नियुक्तियां

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन के दौरान मांग में वृद्धि को देखते हुए ई-कॉमर्स क्षेत्र 12.5 लाख भर्तियां कर सकता है। इनमें 10 लाख अस्थायी और 2.5 लाख अनुबंधित कर्मचारियों को नियुक्ति हो सकती है। टीमलीज सर्विसेज ने बृहस्पतिवार को कहा, त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स उद्योग की बिक्री में 35 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है। टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालासुब्रमण्यम ए ने कहा, यह भर्ती न

सिर्फ रोजगार सृजन में ई-कॉमर्स क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है, बल्कि 2025 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के भारत के लक्ष्य में इसके महत्वपूर्ण योगदान को भी दर्शाता है। एजेंसी
आईटी क्षेत्र में होंगी 8.5 प्रतिशत अधिक भर्तियां
आईटी कंपनियां धीरे-धीरे मंदी से बाहर निकलने लगी हैं। आने वाले समय में ये अच्छी खासी भर्तियां करने के लिए तैयार हैं। इंडीड की रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल तक इस क्षेत्र में नियुक्तियों में 8.5 फीसदी की बढ़त हो सकती है। सभी तकनीकी नौकरियों में से 70 फीसदी मांग सॉफ्टवेयर के लिए है। पिछले साल के अंत और इस साल की शुरुआत में कुशल प्रतिभाओं की मांग तेजी से बढ़ी है।

अंबानी परिवार की संपत्ति देश की जीडीपी का 10 प्रतिशत, शीर्ष तीन परिवार सिंगापुर की जीडीपी के बराबर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के परिवार की कुल संपत्ति देश की जीडीपी के 10 फीसदी के बराबर है। मुकेश अंबानी और उनके परिवार को बार्कलेज हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेसेस लिस्ट में शीर्ष पर रखा गया है।
सूची में दूसरे नंबर पर बजाज तो तीसरे नंबर पर बिड़ला परिवार– रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमुख मुकेश अंबानी के पूरे परिवार की संपत्ति का कुल मूल्यांकन 25,75,100 करोड़ है। यह राशि देश की जीडीपी के लगभग 10वें हिस्से के बराबर है। इस सूची में दूसरे नंबर पर नीरज बजाज का परिवार है। बजाज परिवार की कुल संपत्ति 7,12,700 करोड़ रुपये है। तीसरे नंबर पर कुमार मंगलम बिड़ला का परिवार है जिनके परिवार की संपत्ति का कुल मूल्यांकन 5,38,500 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शीर्ष तीन पारिवारिक व्यवसायों के हितों का मूल्य 460 अरब डॉलर है, जो सिंगापुर के सकल घरेलू उत्पाद के बराबर है। सूची में सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाला परिवार चौथे स्थान पर है, जिसकी वैल्यू 4.71 लाख करोड़ रुपये है। पांचवें स्थान पर 4.30 लाख करोड़ रुपये के मूल्य वाला नादर परिवार है। नादर परिवार की रोशनी नादर मल्होत्रा शीर्ष 10 पारिवारिक व्यवसायों की सूची में एकमात्र महिला हैं।

UPSC CMS Exam Result 2024 Released

The Union Public Service Commission (UPSC) has announced the written results (including names) for the Combined Medical Services (CMS) Examination 2024. The results are based on the examination conducted on July 14. Candidates whose roll numbers are listed have qualified for the interview/personality test. According to the official notice, the candidature of these candidates is provisional, subject to their fulfilling all the eligibility criteria as specified in the examination notice and rules. Candidates must present original documents to support their claims regarding age, age relaxation, date of birth, educational qualifications, community reservation, benchmark disability (if applicable), etc., during the interview/personality test.

Candidates are advised to prepare their documents in advance and review the required certificates according to the important instructions available on the Commission's website before appearing for the Personality Test. As per the Rules of the Combined Medical Services Examination 2024, all successful candidates must complete the Detailed Application Form (DAF) online, which will be available on the Commission's website in due course. Detailed instructions for filling out and submitting the DAF online will also be provided on the website.

Successful candidates must first register on the relevant page of the Commission's website before filling out the DAF online and submitting it along with scanned copies of the required certificates/documents supporting their eligibility and reservation claims. Candidates are advised to carefully read the instructions for filling out the DAF and the rules of the Combined Medical Services Examination 2024, particularly regarding the documents to be presented during the interview. Failure to provide sufficient proof of age, date of birth, educational qualifications, community (SC/ST/OBC/EWS), or disability status (for PwBD candidates) may result in disqualification. Any candidate who fails to present the required original documents for the Combined Medical Services Examination 2024 will not be permitted to appear before the Personality Test Board and will not be eligible for travel allowances. The schedule for the interview of candidates who have qualified for the Personality Test and submitted their DAF will be posted on the Commission's website in due course. The exact interview dates will be communicated to candidates via e-Summon Letter. Candidates are advised to regularly check the Commission's website upsc.gov.in for updates. The marksheets of non-qualified candidates will be uploaded on the Commission's website after the final result (following the Personality Test) is published and will be available for 30 days. Candidates can access their marksheets by entering their roll numbers and date of birth. UPSC will issue printed/hard copies of the mark sheets upon specific requests, accompanied by a self-addressed stamped envelope, within thirty days of the marks being posted on the Commission's website. Requests beyond this period will not be considered. The UPSC has a Facilitation Counter at its campus, where candidates can obtain information or clarification about their examination/results on working days between 10 a.m. and 5 p.m. in person or by calling (011)-23385271/23381125/23098543.

UGC NET June 2024 Answer Key Released

The National Testing Agency (NTA) has released the answer key for the Joint Central Scientific & Industrial Research-University Grants Commission National Eligibility Test (JOINT CSIR-UGC NET) held on July 25, 26, and 27. Along with the provisional answer keys, the question papers with recorded responses have also been made available on the official website for inviting challenges, if any, to the provisional answer key of any question. Candidates who are not satisfied with the answer key may challenge it by paying a fee of Rs 200 per question as a non-refundable processing fee.

Duration Of Answer Key Challenge

The answer key can be challenged between August 9 and 11, up to 11.50pm. The last date for paying the challenge fee is August 11 (up to 11.50pm). The processing fee may be paid using a debit/credit card or net banking. No challenge will be entertained without receipt of the processing fee. The fee towards the challenge will not be accepted through any other mode. "Challenges made by the candidates will be verified by a panel of subject experts. If the challenge of any candidate is found correct, the answer key will be revised and applied to the responses of all the candidates accordingly. Based on the revised final answer key, the result will be prepared and declared. No individual candidate will be informed about the acceptance or non-acceptance of his/her challenge. The key finalised by the experts after the challenge will be final. No challenge will be accepted after August 11, 2024 (11.50pm)," the official notice states.

The examinations were held in 348 centres across 187 cities for 2,25,335 candidates in the computer-based test (CBT) mode.

New courses launched by IITs — fundamentals of EVs, mutual funds, AI and more

Every year, the Indian Institute of Technology (IITs) launches emerging courses which are either on the undergraduate, postgraduate level, or are short certification programmes. These courses range from Risk Management, Premier Banking to Artificial Intelligence, and more.

Check the list of such new programmes introduced by IIT Madras, IIT Delhi, IIT Kharagpur, IIT Kanpur and more.

IIT Madras

Like last year, this time too, IIT Madras has rolled out a variety of courses to enhance students' skill sets in emerging fields. These courses, announced on March 15, 2024, include Artificial Intelligence, Applied Data Science, Backend Development (Java Spring Boot), Cyber Security Analyst, and Android Application Development with Kotlin and Flutter. Designed to meet the industry's growing demand for specialised knowledge, these programmes are accessible through the SWAYAM Plus platform, with specific eligibility criteria for each course. In addition to these courses, IIT Madras offers certificate programmes aimed at professionals and students seeking to deepen their expertise. These courses include Fundamentals of EVs and Charging Infrastructure (five months), Premier Banking (six months), Banking and Finance (three months), Mutual Fund (three months), Securities Operations and Risk Management (three months), and Digital Banking (three months). These courses typically require a relevant bachelor's degree or work experience, providing valuable credentials for career advancement.

IIT Delhi

IIT Delhi's new MTech in Robotics is a two-year programme designed for engineering graduates with a valid GATE score. This course focuses on advanced robotics technologies, preparing students for careers in automation and intelligent systems. Prospective students can apply through the IIT Delhi admissions portal. Another addition is the MSc in Biological Sciences, a two-year programme aimed at providing comprehensive knowledge and research skills in biological sciences. Eligibility for this course includes a relevant bachelor's degree with a specified minimum percentage.

IIT Kanpur

IIT Kanpur has introduced an MTech in Unmanned Aerial Systems (UAS) Engineering, a two-year programme for BE or BTech graduates with a valid GATE score. This course covers the design, development, and deployment of UAS technologies, equipping students with cutting-edge skills in this innovative field. The institute also offers a certificate programme in Full Stack Development – MERN Stack, a three-month course for undergraduates and graduates focusing on web development using the MERN stack. Additionally, the MTech in Cognitive Systems is a two-year programme open to graduates from various engineering and science disciplines with a valid GATE score, exploring cognitive science and AI applications. MTech in Data Science is another two-year programme, focusing on data analytics, machine learning, and big data technologies, requiring a relevant bachelor's degree and a GATE score for eligibility.

IIT Kharagpur

IIT Kharagpur's MTech in Artificial Intelligence is a two-year programme designed for graduates with a valid GATE score, offering advanced education in AI technologies. The institute also offers a certificate programme on hands-on Artificial Intelligence for Real-World Applications, a three-month course aimed at providing practical AI skills for bachelor's degree holders or current students.

IIT Gandhinagar

IIT Gandhinagar has expanded its offerings with new programs in Engineering Physics, Space Science and Engineering, and Mathematics and Computing. The Engineering Physics programme combines physics and engineering to develop solutions for high-tech industries. The Space Science and Engineering programme focuses on astrophysics, planetary science, and space exploration technology, preparing students for careers in space research organizations. The Mathematics and Computing program blends mathematics with computer science, emphasizing algorithms, data analysis, and computational modeling. All these programmes require a valid JEE Advanced score and completion of Class 12 with relevant subjects.

These new courses and programmes reflect the IITs' commitment to providing cutting-edge education and equipping students with the skills needed to excel in their careers. For detailed information, prospective students should visit the respective IITs' official websites.

पोलो ग्राउंड में 14 अगस्त को एक दिवसीय रोजगार मेला

इंदौर में बुधवार 14 अगस्त को एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा. ये मेला जिला रोजगार कार्यालय परिसर (जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के पास) पोलो ग्राउंड में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जा रहा है. उप संचालक रोजगार पीएस मंडलोई ने बताया कि रोजगार मेले में म्यूज फाउंडेशन, वेंचर फिनकॉर्प, रघुवंश इंटरप्राइजेज, आदिनाथ पॉलीप्लास्ट, अनुदीप फाउंडेशन, श्याम (टाटा) ऑटोमोटिव, मैनपावर सर्विसेज (एसजीएस), जस्ट डायल आदि अनेक प्रतिष्ठित कंपनियां 300 से अधिक विभिन्न पदों के लिए युवाओं का चयन करेंगी. इन पदों में सेल्स एग्जीक्यूटिव, टेलीकॉलर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, टेक्नीशियन, सेल्स, टीम लीडर, ड्राइवर, बैक ऑफिस, सुरक्षा गार्ड, हेल्पर, ऑफिस बॉय आदि शामिल हैं. आकर्षक वेतन पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदकों का साक्षात्कार लेंगे तथा प्रारंभिक चयन करेंगे. 18 से 40 वर्ष की आयु के आवेदक, जिन्होंने कक्षा 8 से पोस्ट ग्रेजुएशन तक किसी भी विषय में उत्तीर्णता प्राप्त की हो और तकनीकी योग्यता वाले आवेदक भी उपरोक्त पदों के लिए रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं और अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं. रोजगार मेले में भाग लेने वाले आवेदकों को अपने साथ अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण-पत्र, बायोडाटा की प्रतियां और अन्य प्रमाण-पत्र जैसे आधार कार्ड आदि की फोटोकॉपी साथ लानी होगी.

NEET PG 2024 exam at 500 'trusted' centres in two shifts on August 11

The NEET-PG test — the qualifying examination for PG medical studies — will be held at 500 "trusted" centres this year, according to people in the know of the matter. The National Board of Examinations last month announced that the exam, to be conducted on August 11, will be held in two shifts for the first time in six years. This is because the number of centres has been reduced from 1,200 — with the exam body not trusting any outsourced centres, especially after several instances of paper leaks.

The NEET PG examination was postponed a day ahead of its scheduled June 23 date as a "precautionary measure". Not only that, to ensure a cheating-free exam, an official said all students have been allocated centres in same cities as the address provided on their forms. "Earlier, the students were given the option to select different centres across the country to appear in the examination. Now, they have to appear at a centre either in the city or close to where their address is. It will be ensured that a person from one corner of the country does not go to another just to appear in the examination," the official said. This year will also be the first time that NEET-PG examination will have normalisation scores as students will give two different papers during the two shifts.

Supreme Court dismisses plea to postpone NEET PG 2024

The Supreme Court on Friday dismissed a plea to postpone the National Eligibility cum Entrance Test postgraduate examination (NEET PG 2024) scheduled to be conducted on August 11 [Vishal Soren @ Bishal Soren and ors vs National Board of Examination and ors]. A Bench of Chief Justice of India (CJI) DY Chandrachud and Justices JB Pardiwala and Manoj Misra said that it cannot order postponement of the exam a couple of days before the exam is slated to be held.

"Now postponing NEET PG ? How can we postpone such an exam. Nowadays people just come asking to postpone the exam," the Court remarked. Senior Advocate Sanjay Hegde, appearing for the petitioners, said, "Plea seeks rescheduling because there is one exam in morning and one in afternoon and then it will be normalised."

The Court noted that there are 2 lakh students slated to appear for the exam and the same cannot be postponed because of the petition filed by 50 candidates. "As a matter of principle we will not reschedule. There are 2 lakh students and 4 lakh parents who will weep over the weekend. We cannot put the careers of so many candidates at risk just because of these petitioners. We do not know who is behind these petitions (not your client)," the Court said while dismissing the petition. The plea filed by one Vishal Soren said that candidates were facing difficulties in reaching their exam centres since were allocated centres in cities which are inconvenient for them to reach. The allocation of test cities was made on July 31 and designated centres were to be declared on August 8, which leaves candidates with very less time to travel to the respective centres for the exam on August 11, it was contended. Further, the exam is scheduled to be conducted in two batches and the formula for normalisation is unknown to the candidates thereby causing apprehensions. The petitioner, thus prayed that the exam be stayed till the petition is decided. The petition was filed through advocate Anas Tanwir.

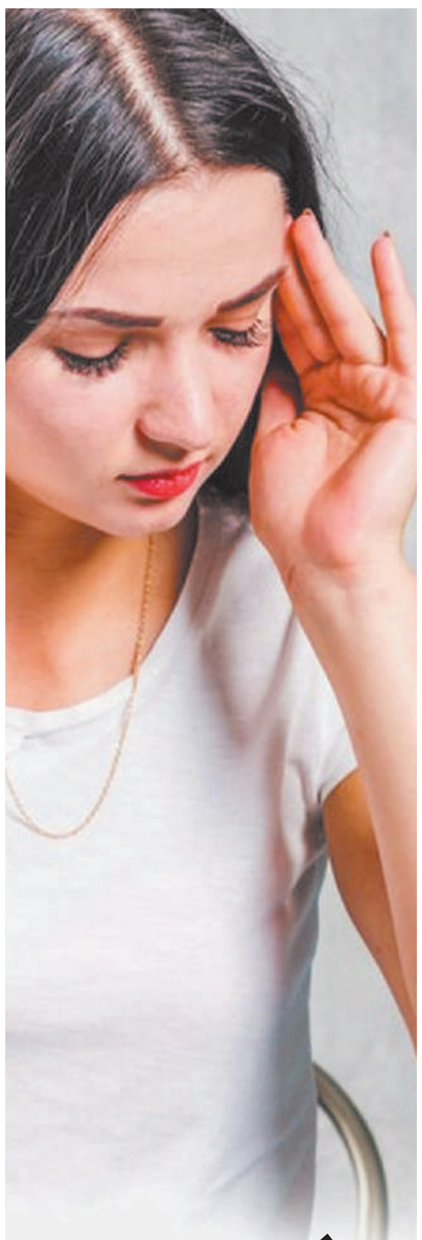

मानसून में क्यों बढ़ जाता है माइग्रेन का दर्द?

बरसात का मौसम एक खुशनुमा रंग लाता है, चारो तरफ हरियाली, बारिश की फुहारें और ठंडी हवाएं...गर्मी आते ही लोग सिर्फ मानसून का इंतजार करते हैं, लेकिन कुछ लोगों के लिए मानसून राहत नहीं आफत बन सकता है। दरअसल इसमें कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, जिन लोगों को माइग्रेन की शिकायत होती है, उन्हें खासकर परेशानी होती है। अब सवाल है कि आखिर बारिश के मौसम में माइग्रेन क्यों ट्रिगर होता है।

मानसून में क्यों बढ़ जाता है माइग्रेन का दर्द?

मानसून के कारण आद्रता में वृद्धि हो सकती है और वायुमंडलीय दबाव में परिवर्तन हो सकता है, तापमान में उतार-चढ़ाव रक्त वाहिकाओं के संकुचन और फैलाव को उत्तेजित कर सकता है जो माइग्रेन को ट्रिगर कर सकता है। वहीं मानसून में एलर्जी पैदा करने वाले तत्व भी आ सकते हैं, जो इनके प्रति संवेदनशील लोगों में माइग्रेन का दौरा बढ़ा सकते हैं।उच्च आर्द्रता से शरीर में पानी की की होने लगती है, इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन प्रभावित हो सकता है,जिससे सिर दर्द और माइग्रेन की समस्या बढ़ सकती है।
मानसून के कारण लोगों को मानसिक तनाव हो जाता है और यह भी माइग्रेन को ट्रिगर करता है।
कैसे करें बचाव

- एलर्जी से बचाव करें।
- बारिश में भीगने से बचें।
- हाइड्रेट रहें।
- मेडिटेशन करें।
- सही आहार लें।

हेल्दी स्नैक्स भी बढ़ा सकते हैं कोलेस्ट्रॉल

मिसलीडिंग फूड लेबल्स ऐसे करते हैं स्वास्थ्य को प्रभावित

हम लोग हेल्दी फूड्स समझकर कुछ ऐसी चीजें ले लेते हैं, जो हमारी हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए आपको बताएं कि मिसलीडिंग फूड लेबल्स कैसे आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

आज के समय में, लोग काफी-ज्यादा हेल्थ कॉन्शियस हो रहे हैं। वे लोग बाजार से ऐसी चीजें लेना पसंद करते हैं, जिनके लेबल में No Sugar, Low Fat or No Cholesterol जैसे क्लेम होते हैं। ये फूड लेबल हमारी डाइट्री चॉइस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मगर क्या आपको पता है कि ये लेबल्स कितने भ्रामक हो सकते हैं। ऐसे क्लेम करने वाले फूड लेबल्स असल में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सभी लेबल समान नहीं होते हैं। नो शुगर और लो फैट जैसे शब्दों का इस्तेमाल अक्सर उत्पादों को स्वस्थ विकल्पों के रूप में बेचने के लिए किया जाता है, लेकिन ये दावे सच को सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट ने इस बारे में काफी बढ़िया जानकारी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। आइए आपको बताएं कि इन क्लेम का सच क्या होता है।

लो फैट फूड का सच

वजन को मेनटेन या कम करने वाले लोग अक्सर ऐसे फूड्स की तलाश करते हैं, जिनमें लो फैट होता है। हालांकि, ये लो फैट फूड्स में हाई कैलोरी हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इनमें शुगर डाली जाती है और रिफाइन्ड आटे का इस्तेमाल होता है। फैट को हटाने पर स्वाद प्रभावित हो सकता है, इसलिए निर्माता अक्सर शुगर या रिफाइन्ड कार्बोहाइड्रेट मिलाते हैं। ये ऐडेड शुगर वजन, टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को बढ़ाने और अन्य मेटाबॉलिज्म संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकती हैं।

आवश्यक पोषक तत्व - प्राकृतिक फैट एसेंशियल पोषक तत्वों का स्रोत है, जैसे कि विटामिन-ए, डी, ई और के, जो विभिन्न शारीरिक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे लो फैट फूड आइटम्स में इन पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। इसलिए ऐसे फूड आइटम्स चुनते हुए कैलोरी कॉन्टेंट के साथ एसेंशियल न्यूट्रिएंट्स का भी ध्यान रखें।

शुगर-फ्री क्लेम का सच

चीनी का सेवन कम से कम करने के लिए हम शुगर फ्री चीजों की ओर भागते हैं। क्या आपको इस फूड लेबल का सच पता है? डायबिटीज से पीड़ित लोगों को ध्यान में रखकर ये प्रोडक्ट तैयार किए जाते हैं, लेकिन ये असल में नुकसानदेय हो सकते हैं। इन फूड्स में फैट्स की मात्रा ज्यादा होती है। ये कैलोरी के लोड को बढ़ा देता है।
शुगर-फ्री प्रोडक्ट्स में आर्टिफिशियल स्वीटनर्स या शुगर अल्कोहल होते हैं। ये सब्स्टीट्यूट भले ही ब्लड शुगर लेवल को न बढ़ाएं, लेकिव अन्य हेल्थ संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। कुछ शुगर अल्कोहल के कारण पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके लॉन्ग-टर्म इफेक्ट्स भी होते हैं।

कैलोरिट कॉन्टेंट - शुगर फ्री होने का मतलब यह नहीं है कि फूड आइटम्स में कैलोरी भी कम हो। ये फैट्स की भरपूर मात्रा के साथ आते हैं, इसलिए ऐसे किसी भी तरह की चीज को लेने से पहले उसके लेबल को जांचें और कैलोरिक कॉन्टेंट पर ध्यान दें।

नो कोलेस्ट्रॉल क्लेम का सच

किसी डिब्बे में नो कोलेस्ट्रोल देखकर ही मन खुश हो जाता है कि यह हेल्थ के लिए अच्छा है मगर ऐसा नहीं होता है। इसे हेल्दी हार्ट के लिए अच्छा माना जाता है। आमतौर पर प्लांट-बेस्ड ऑयल्स इसका क्लेम करते हैं, लेकिन उनमें फैट्स की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। कई सारे प्लांट-बेस्ड और प्रोसेस्ड फूड्स में ट्रांस फैट या सैचुरेटेड फैट्स का हाई लेवल हो सकता है, जो बैड कोलेस्ट्रोल को बढ़ा सकता है। इससे दिल संबंधी बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं।

न्यूट्रिशन प्रोफाइल - जरूरी है कि आप अपने प्रोडक्ट के न्यूट्रिशनल प्रोफाइल पर गौर करें। उसमें कोलेस्ट्रोल है या नहीं सिर्फ ये न देखें। हाइड्रोजेनेटेड ऑयल्स और सोडियम के हाई लेवल के कारण आपकी हेल्थ को नुकसान पहुंच सकता है।

फूड लेबल देखते हुए ध्यान रखें ये बातें

इंग्रीडिएंट लिस्ट पढ़ें

फूड लेबल में इंग्रीडिएंट लेबल को गौर से पढ़ें। अनहेल्दी फैट और आर्टिफिशियल एडिटिव्स की जांच करें।

पोषण संबंधी फैक्ट्स को एनालाइज करें

टोटल फैट, सैचुरेटेड फैट, ट्रांस फैट, अतिरिक्त शुगर और सोडियम के बारे में जानकारी के लिए पोषण फैक्ट पैनल को पढ़कर एनालाइज जरूर करें। इससे आपको उत्पाद के ओवरऑल पोषण मूल्य के बारे में स्पष्टता से पता चलेगा।

भाग के आकार को समझें

लेबल अक्सर प्रति सर्विंग पोषण संबंधी जानकारी के बारे में बताते हैं। सर्विंग साइज के बारे में सावधान रहें।

अब अगर आप भी इन फूड लेबल्स को देखें, तो ध्यान रखें कि यह भ्रामक लेबल्स आपके लिए कितने हानिकारक हो सकते हैं। ऐसे किसी भी क्लेम वाले फूड को आहार में शामिल करने से पहले अपने सलाहकार से बात करें।

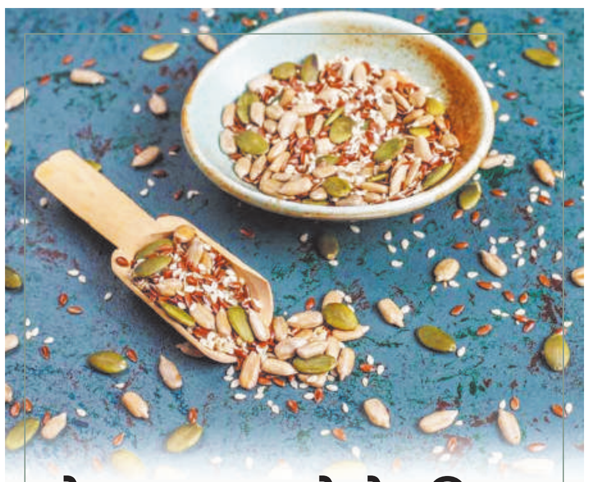

सेहतमंद रहने के लिए डाइट में शामिल करें ये 5 बीज, जानें खाने का सही समय और तरीका

सेहतमंद रहने के लिए हेल्दी डाइट बहुत जरूरी है। अगर आप न्यूट्रिएंट्स से भरपूर डाइट लेती हैं, तो बीमारियों से बची रहती हैं। हमारे किचन में भी कई ऐसे मसाले और हर्ब्स मौजूद होते हैं, जिन्हें अगर आप सही तरह से डाइट में शामिल करेंगे, तो सेहतमंद रहने में मदद मिल सकती है।

इसके अलावा कुछ नट्स और सीड्स भी गुणों से भरपूर होते हैं। सीड्स में कई तरह के न्यूट्रिएंट्स होते हैं। महिलाओं की फर्टिलिटी, पीरियड्स और अन्य कई तरह की दिक्कतों को दूर करने में सीड्स मदद कर सकते हैं। खासकर, कुछ सीड्स तो गुणों की खान होते हैं। लेकिन, आपको इसे खाने के सही तरीके के बारे में पता होना चाहिए। यहां हम आपको 5 सीड्स और उन्हें खाने के सही तरीके व समय के बारे में बता रहे हैं।
एक्सपर्ट के मुताबिक, सौंफ के बीज सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये कब्ज दूर करते हैं। इनसे डाइजेशन सुधरता है और वजन कम करने में भी मदद मिलती है।

- जिन लोगों को खाने के बाद पेट में गैस या एसिडिटी होती है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए। लंच के बाद आप 1 चम्मच सौंफ को पानी में उबालकर पिएं।
- कद्दू के बीजों में मैग्नीशियम होता है। ये इंसुलिन सेंसिटिविटी को सुधारते हैं। ये कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी मदद करते हैं और महिलाओं की हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।
- आप मिड-मील में फल खाएं। उनके ऊपर कुछ कद्दू के बीजों को छिड़क लें।
- सूरजमुखी के बीज सेलेनियम से भरपूर होते हैं। ये एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं और इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये दिल के रोगियों के लिए फायदेमंद होते हैं। इनसे शरीर को ताकत मिलती है, कब्ज दूर होती है और बालों का झड़ना कम होता है।
- शाम के वक्त 1 टीस्पून सूरजमुखी के बीज खाएं।
- चिया सीड्स में ओमेगा-3 फैटी एसिड्स होते हैं। ये बालों और स्किन के लिए बहुत जरूरी होते हैं।
- चिया सीड्स में फाइबर, प्रोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इनसे वजन कम होता है, शुगर कंट्रोल होती है और एजिंग के साइन्स भी कम होते हैं।
- मिड मील में 1 गिलास चिया सीड्स का पानी पिएं।
- धनिये के बीज थायराइड में बहुत फायदेमंद होते हैं। ये थायराइड फंक्शन को बूस्ट करते हैं, मेटाबॉलिज्म को सुधारते हैं और वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं। इनसे खून की कमी भी दूर होती है। खाली पेट धनिये के बीजों की 1 कप चाय पिएं।

सेहतमंद रहने के लिए इन 5 बीजों को एक्सपर्ट के बताए तरीके से डाइट में शामिल करें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

बच्चों में डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं किडनी की बीमारी का संकेत, न करें नजरअंदाज

बच्चों की सेहत का ख्याल रखना माता-पिता और घर के बड़ों की जिम्मेदारी होती है क्योंकि बच्चों को इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती है। इसलिए, बच्चों की हेल्थ के लिए माता-पिता पूरी तरह से सजग रहते हैं और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतते हैं।

बच्चों में डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें काफी आम होती हैं। कई बार बच्चे बाहर का खाने पर बीमार हो जाते हैं। वहीं, कई बार उनका डाइजेस्टिव सिस्टम हैवी चीजों को नहीं पचा पाता है। इसलिए, ज्यादातर पैरेंट्स, बच्चों में डाइजेशन से जुड़ी परेशानियों को आम समझते हैं। लेकिन, कई बार ये किडनी की बीमारी का संकेत हो सकती हैं। इसलिए, अगर आपके बच्चे को लंबे समय से डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें हैं, तो इस पर ध्यान दें।

एक्सपर्ट का कहना है कि डाइजेस्टिव सिस्टम और किडनी एक-दूसरे से कनेक्टेड होते हैं। किडनी खून से वेस्ट पदार्थों को बाहर निकालती है और शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स व पानी का बैलेंस बनाती है।

- किडनी खराब होने पर शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं और इसके कारण भी डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें हो सरती हैं।
- कई लोग जिनका किडनी फंक्शन कमजोर होता है, उन्हें डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें ज्यादा परेशान करती हैं।
- अगर आपके बच्चे को लगातार उल्टी हो रही है, तो यह किडनी की परेशानी का संकेत हो सकता है।
- किडनी खराब होने पर, शरीर से गंदगी बाहर नहीं निकल पाती है और इस वजह से डाइजेस्टिव सिस्टम में इंफ्लेमेशन होता है और उल्टी आती है।
- किडनी स्टोन या इंफेक्शन की वजह से कमर के निचले हिस्से और पेट के साइड में दर्द हो सकता है।
- अगर बहुत तेज पेट दर्द हो, तो इसे नजरअंदाज न करें।
- किडनी की परेशानी होने पर डायरिया या कब्ज हो सकती है।
- किडनी फंक्शन सही न होने पर शरीर में फ्ल्यूड कंटेट में इंबैलेंस होता है और इसकी वजह से कब्ज होती है।
- बच्चे की भूख कम हो जाना या खाना खाने की इच्छा न होना भी किडनी की परेशानी का संकेत हो सकता है।
- अगर आपके बच्चे को लगातार पाचन में दिक्कत आ रही है, कमजोरी महसूस हो रही है और यूरिन के रंग में भी बदलाव है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

'गोल्डन ब्वॉय' ने जीता 'सिल्वर'

- **पाकिस्तान के नदीम ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण**

पेरिस, एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीतने में सफल रहे और आजाद भारत के पहले एथलीट बन गए। आठ अगस्त को खेले गए फाइनल मुकाबले में नीरज 89.45 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम 92.97 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष पर रहे। उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। इस पर अब नीरज ने प्रतिक्रिया दी है।

जैवलिन थ्रो के फाइनल मुकाबले में नदीम ने पांच लीगल थ्रो किए, इनमें से दो प्रयास उनके 90+ मीटर के रहे। नदीम का आखिरी प्रयास 91.79 मीटर का रहा। नदीम ने पहला प्रयास में फाउल किया था। वहीं, तीसरे प्रयास में उन्होंने 88.72 मीटर थ्रो, चौथे प्रयास में 79.40 मीटर थ्रो और पांचवें प्रयास में 84.87 मीटर थ्रो किया। 92.97 मीटर के थ्रो के साथ पाकिस्तान के अरशद नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड भी बना दिया। इससे पहले जेवलिन थ्रो में ओलंपिक रिकॉर्ड एंड्रियास थोरकिल्डसेन के नाम था। एंड्रियास ने 23 अगस्त 2008 को बीजिंग ओलंपिक में 90.57 मीटर दूर भाला फेंककर रिकॉर्ड बनाया था। अरशद के दमदार प्रदर्शन पर अब भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने बात करते हुए बताया कि हर एथलीट का अपना दिन होता है।

उन्होंने कहा, आज अरशद का दिन था। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, लेकिन कुछ चीजों पर ध्यान देने और काम करने की जरूरत है। वहीं, अपने प्रदर्शन पर भी नीरज ने चर्चा की। उन्होंने आगे कहा, जब भी हम देश के लिए पदक जीतते हैं तो हम सभी खुश होते हैं।

अब खेल में सुधार करने का समय आ गया है। हम बैठकर चर्चा करेंगे और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाएंगे। नीरज ने भारत की भविष्य की ओलंपिक संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए वादा किया कि किसी और देश और इवेंट में भारत का राष्ट्रगान सुना जाएगा। उन्होंने कहा, भारत ने (पेरिस ओलंपिक में) अच्छा प्रदर्शन किया। आज भले ही हमारा राष्ट्रगान नहीं बजाया गया हो, लेकिन भविष्य में इसे सुना जाएगा।

ओडिशा के सीएम माझी ने हॉकी टीम के लिए इनाम की घोषणा की

रोहिदास को 4 करोड़ देने का ऐलान

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी और टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पीआर श्रीजेश के बचाव की बदौलत भारत ने पेरिस ओलंपिक में स्पेन को यवेस डू मनोइर स्टेडियम में 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। विशेष रूप से भारत ने 1972 के म्यूनिख खेलों के बाद 52 वर्षों में पहली बार लगातार कांस्य हॉकी पदक जीता।

सीएम माझी ने घोषणा की कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कर्मचारियों के लिए 10 लाख रुपए का इनाम आवंटित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि ओडिशा के अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा। सीएम माझी ने कहा, भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता है, आने वाली पीढ़ी इस जीत को याद रखेगी... मैं अमित रोहिदास और अन्य सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं, और मैं यह भी घोषणा करता हूं कि सभी खिलाड़ियों को 15 लाख रुपए और स्टाफ को 10 लाख रुपये दिए जाएंगे... अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपए दिए जाएंगे...।

इस बीच ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम से बात की। ओडिशा के पूर्व सीएम ने पेरिस में कांस्य पदक मैच में स्पेन को हराने के लिए हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को बधाई दी। नवीन पटनायक ने फोन पर कहा, ओडिशा और पूरे भारत की ओर से भारतीय टीम को बहुत-बहुत बधाई, हमें आप पर बहुत गर्व है। बहुत-बहुत बढ़िया प्रदर्शन किया।

भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहे श्रीजेश भावनाओं से भरे मैदान पर उतरे और टीम के बाकी खिलाड़ी भी भारत के हॉकी इतिहास के इस महत्वपूर्ण अवसर का जश्न मनाने के लिए उनके साथ शामिल हुए। कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व में भारत ने इतिहास रच दिया और ओलंपिक में लगातार दो कांस्य पदक जीते। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह (30प्रतिशत, 33 प्रतिशत) के गोल उन्हें फिनिश लाइन तक पहुंचाने के लिए काफी थे। स्पेन के लिए मार्क मिरालेस (18 प्रतिशत) एकमात्र गोल करने वाले खिलाड़ी रहे।

बांग्लादेश के खिलाफ हो सकती है मोहम्मद शमी की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे विश्व कप के बाद चोटिल होने के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की भारतीय टीम में जल्द वापसी की उम्मीद की जा रही है।

शमी बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू हो रही दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए टीम में वापसी कर सकते हैं। मोहम्मद शमी वनडे विश्व कप 2023 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, उन्होंने सिर्फ सात मैचों में 24 विकेट चटकाए थे।

इसमें मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में (7-57) शानदार गेंदबाजी भी शामिल है। वनडे विश्व कप के बाद मोहम्मद शमी को दाहिनी एड़ी में चोट के कारण क्रिकेट से दूर रहना पड़ा था।

विनेश फोगाट संन्यास वापस लेंगी, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पूरा करेंगी गोल्ड का सपना?

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल की दावेदार होने के बावजूद अयोग्य घोषित होने के बाद विनेश फोगाट ने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। उन्होंने फैसला किया कि अब वह अपने सबसे प्रिय खेल में हिस्सा नहीं लेंगी, लेकिन इस बीच उन्होंने की कवायद शुरू हो गई है। उनकी फैमिली और डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने फैसला वापस लेने की गुजारिश की है।

भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक्स में गोल्ड मेडल मुकाबले से पहले अयोग्य ठहराए जाने के बाद अपनी मां को संबोधित एक भावुक संदेश में कुश्ती को अलविदा कहने की घोषणा कर दी और कहा कि अब उनमें आगे खेलने की ताकत नहीं है। उन्होंने 'एक्स' पर अपने संन्यास की घोषणा की। अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए 29 वर्षीय विनेश ने लिखा, 'मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना। आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब।'

दो बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप की ब्रॉन्ज मेडल विजेता ने कहा, 'अलविदा कुश्ती 2001-2024। मैं आप सभी की हमेशा ऋणी रहूंगी। मुझे माफ कर दीजिए।' विनेश ने बुधवार को खेल पंचाट (कैस) में ओलंपिक्स फाइनल से खुद को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल दिया जाए। रेसलिंग की अंतरराष्ट्रीय संचालन संस्था युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने हालांकि स्पष्ट कर दिया है कि वजन से जुड़े वर्तमान नियमों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडल विजेता पहलवान बबीता फोगाट ने अपनी चचेरी बहन विनेश से आग्रह किया कि कुश्ती से संन्यास लेने के अपने फैसले पर फिर से विचार करें। बबीता ने कहा, '2012 में मैं भी एशियन चैंपियनशिप में नहीं खेल पाई थी क्योंकि मेरा वजन 200 ग्राम अधिक था। ऐसे कई अन्य उदाहरण हैं जिसमें पहलवानों को अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित किया गया है। पूरी दुनिया जानती है कि ऐसा कुश्ती के नियमों के कारण हुआ।'

बबीता ने कहा कि देश विनेश के कुश्ती को अलविदा कहने के फैसले से दुखी है और उम्मीद है कि वह अपने फैसले पर फिर विचार करेंगी और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक्स के लिए ट्रेनिंग करेंगी। बबीता ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि वह अपने फैसले पर पुनर्विचार करेंगी और 2028 में स्वर्ण पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करेंगी और अपनी मां और मेरे पिता का सपना पूरा करेंगी। पिताजी (महावीर फोगाट) ने भी कहा है कि एक बार जब वह घर आएगी तो वह उसे अपने फैसले पर ड्डपुनर्विचार करने और फिर से मैट पर उतरने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे।

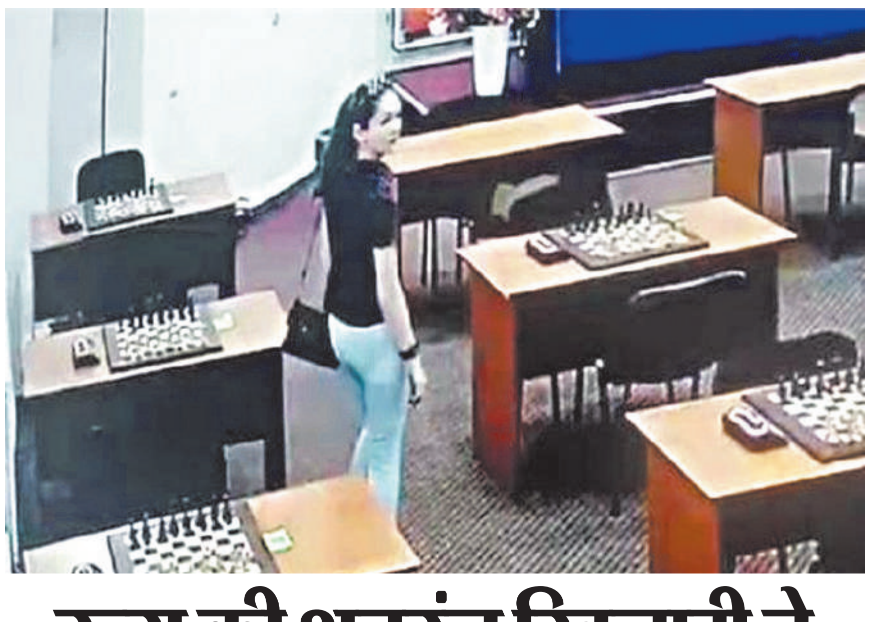

रूस की शतरंज खिलाड़ी ने प्रतिद्वंद्वी को दिया 'जहर' रूसी शतरंज संघ ने किया निलंबित

पेरिस (एजेंसी)। रूसी गणराज्य दागेस्तान की 40 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी अमीना अबकारोवा को रूसी शतरंज संघ द्वारा निलंबित कर दिया है।

उन्हें 2 अगस्त को दागेस्तान शतरंज चैंपियनशिप के दौरान अपनी प्रतिद्वंद्वी उमयगनत उस्मानोवा को कथित तौर पर जहर देने के कारण उन्हें तीन साल तक की जेल हो सकती है।

कैमरे में अबकारोवा को खेल से 20 मिनट पहले उस्मानोवा के बोर्ड के पास चलते हुए देखा गया तथा बोर्ड और उस्मानोवा के कुछ मोहरों पर थर्मामीटर से घातक पारा लगाते हुए दिखाया गया है। खेल शुरू होने के कुछ समय बाद ही उस्मानोवा को अस्वस्थता महसूस होने लगी, उन्हें चक्कर आने लगे जिसके कारण उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता के लिए बुलाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक ऐसा जहर के कारण हो सकता है। अबकारोवा ने अपना गुनाह करते हुए कहा है कि वह उस्मानोवा के प्रति व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण अपनी प्रतिद्वंद्वी को टूर्नामेंट से बाहर करना चाहती थी। उसने दावा किया कि उसका इरादा उस्मानोवा को नुकसान पहुंचाना नहीं था बल्कि उसे डराना था।

इस घटना ने शतरंज समुदाय को झकझोर कर रख दिया है। रूसी शतरंज संघ के अध्यक्ष एंड्री फिलाटोव ने पुष्टि की है कि अबकारोवा को जांच लंबित रहने तक रूसी शतरंज प्रतियोगिताओं से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। उन पर आजीवन प्रतिबंध लगने की संभावना है।

संन्यास के बाद पदक विजेता पीआर श्रीजेश को मिली नई जिम्मेदारी

पेरिस, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम की दीवार कहे जाने गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास ले लिया। हालांकि, अब भी वह टीम से जुड़े रहेंगे। शुक्रवार को हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे।

ओलंपिक विवाद के बाद स्वदेश लौटी अंतिम पंघाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस में ओलंपिक खेलों के खेल गांव में अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण विवादों में घिरी भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल शुक्रवार को स्वदेश लौट आई।

यह पहलवान गुरुवार को तब चर्चा में आ गई थी जब उन्होंने अपने मान्यता कार्ड पर अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश करवाने की कोशिश की थी और बाद में पुलिस ने उन्हें बुलाया। इस घटना ने देश को शर्मसार किया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतिम और उनके सहयोगी स्टाफ को तुरंत ही स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम ने हालांकि कहा कि उनका कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था लेकिन खेल गांव के नियमों का उल्लंघन करने के लिए उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। भारतीय टीम की जर्सी पहनकर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाली अंतिम तुरंत ही बाहर निकल गई और उन्होंने पत्रकारों से बात करने से इनकार कर दिया।

अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गई थीं। भारत वापस लौटने से पहले 19 वर्षीय अंतिम ने कहा, 'मेरा कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी और भ्रम की स्थिति थी। यह सब भ्रम की वजह से हुआ। बाद में एक वीडियो में अंतिम ने स्वीकार किया कि उसे पुलिस थाने जाना पड़ा लेकिन केवल अपने मान्यता कार्ड के सत्यापन के लिए। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए अच्छा दिन नहीं था। मैं हार गई। मेरे बारे में बहुत कुछ फैलाया जा रहा है, यह सच नहीं है। मुझे तेज बुखार था और मैंने अपनी बहन के साथ होटल जाने के लिए अपने कोच से अनुमति ली थी। अंतिम ने कहा, 'मुझे अपने कुछ सामान की जरूरत थी जो खेल गांव में था। मेरी बहन ने मेरा कार्ड लिया और वहां अधिकारियों से पूछा कि क्या वह मेरा सामान ले सकती है। वे उसे मान्यता कार्ड के सत्यापन के लिए उसे पुलिस स्टेशन ले गए। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि उनके कोच नशे में थे और किराए को लेकर टैक्सी ड्राइवर से उनकी कहासुनी हो गई थी।

अंतिम ने कहा, 'मेरे कोच प्रतियोगिता स्थल पर ही रुक गए थे और जब वे वापस आना चाहते थे तो हमने उनके लिए एक कैब बुक की। मेरे कोच के पास पर्याप्त नकदी नहीं थी और भाषा संबंधी समस्याओं के कारण टैक्सी ड्राइवर से उनकी बहस हो गई।

मेरे मम्मी-पापा ने मेरी पहली

सैलरी को फ्रेम कराया हुआ है - शरवरी वाघ

एक्ट्रेस शरवरी वाघ की बॉक्स ऑफिस पर हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंज्या को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हुई, उन्होंने फिल्म में बेला का किरदार अदा कर फैंस का दिल जीता। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उनके माता-पिता ने उनकी पहली तनख्वाह को फ्रेम में सजाया हुआ है।

शरवरी ने बात करते हुए कहा, जब मैं असिस्टेंट डायरेक्टर थी, तो मुझे अपनी पहली सैलरी मिली, और मेरे माता-पिता ने उस सैलरी को फ्रेम करवाया था और उसके नीचे एक बहुत प्यारा नोट लिखा था। इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरी सबसे बेशकीमती संपत्ति है। एक्ट्रेस को हाल ही में आईएमडीबी ब्रेकआउट स्टार स्टारमीटर अवॉर्ड मिला। जब उनसे उनके पसंदीदा हॉलिडे सीजन के बारे में पूछा गया, तो शरवरी ने गणेश चतुर्थी के लिए अपने प्यार का इजहार किया। उन्होंने कहा, आम तौर पर मेरी पसंदीदा छुट्टी गणेश चतुर्थी है।

मुझे अपने पैतृक स्थान मोरगांव जाना बहुत पसंद है। यह मेरे काम से मिलने वाला सबसे अच्छा समय है और मुझे वह जगह बहुत पसंद है। हर साल मैं गणेश चतुर्थी के दौरान समय निकालती हूं और अपने पैतृक स्थान जाती हूं। वह मेरी अब तक की सबसे अच्छी छुट्टी होती है। वहां हमारा एक घर है, जिसे वाडा कहा जाता है और यह 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। उन्होंने बताया कि उन्हें जोधा अकबर बहुत पसंद है और बचपन में वह इस फिल्म की दीवानी थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं इसे कभी भी फिर से देख सकती हूं। मुझे इसके डायलॉग याद है, मुझे कॉस्ट्यूम और जोधा अकबर के सेट पर मौजूद सभी लोग बहुत पसंद हैं।

ऐश्वर्या राय मैम का किरदार मेरा पसंदीदा रोल हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो शरवरी जल्द ही जॉन अब्राहम के साथ फिल्म वेदा में नजर आएंगी। फिलहाल, वह आलिया भट्ट के साथ अल्फा की शूटिंग कर रही हैं। बता दें कि शरवरी ने 2020 में कबीर खान की वॉर ड्रामा सीरीज द फॉरगॉटन आर्मी- आजादी के लिए से एक्टिंग में डेब्यू किया।

सनी कौशल ने शरवरी वाघ के साथ डेटिंग की अफवाहों का किया खंडन

सनी कौशल, तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी अभिनित फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा आज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। हसीन दिलरुबा के अगले भाग फिर आई हसीन दिलरुबा में एंट्री लेने वाले सनी कौशल इन दिनों अपनी इस फिल्म के अलावा अपने लव अफेयर के चर्चों की वजह से जमकर सुर्खियां बटोर रहे हैं।

इन दिनों सनी कौशल अपनी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म आज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। फिर आई हसीन दिलरुबा साल 2021 में आई हसीन दिलरुबा का अगला भाग है। वहीं विक्की कौशल के भाई, कैटरीना के देवर और अभिनेता सनी कौशल अपनी लव लाइफ को लेकर फिर से चर्चा में आ गए हैं।

सद्भावना पाती
इंदौर, शनिवार 10 अगस्त , 2024

संक्षिप्त समाचार

तीस हजारी कोर्ट में महिला से बलात्कार, वकील ने अपने चैंबर में दिया वारदात को अंजाम

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में तीस हजारी कोर्ट के एक वकील पर युवती के साथ बलात्कार करने का आरोप लगा है। 21 साल की पीड़िता का कहना है कि वकील ने तीस हजारी कोर्ट के अपने चैम्बर में ही इस वारदात को अंजाम दिया और डेढ़ हजार रुपए देकर मुंह बंद रखने के लिए भी कहा। पुलिस के पास दर्ज शिकायत में महिला ने बताया कि आरोपी ने उसे 27 जुलाई को नौकरी देने के बहाने बुलाया था और उसके साथ जबरदस्ती की। महिला ने कहा कि वकील ने उसे धमकी भी दी कि अगर उसने किसी को भी इस बारे में बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पुलिस ने गुरुवार को इस मामले की जानकारी दी। युवती की शिकायत के हवाले से एक अधिकारी ने बताया कि वारदात के बाद वकील ने उसे 1,500 रुपए दिए और उसे जाने के लिए कहा। युवती ने अपने घर पहुंचकर अपनी चाची को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। अधिकारी ने बताया कि सब्जी मंडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

शादीशुदा महिला को फेसबुक पर प्रेम जाल में फंसा काट डाला गला

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली लाजपत नगर इलाके में लिव इन रिलेशनशिप में रह रही एक महिला का गला रेतने का मामला सामने आया है। घायल महिला को गंभीर हालात में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह आईसीयू में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। महिला के बेटे का आरोप है कि आरोपी ने उसकी मां को फेसबुक पर अपने प्रेम जाल में फंसाया और फिर दिल्ली बुलाकर उनको प्रताड़ित किया। विरोध करने पर उनका गला रेत दिया। वह एक-दो हफ्ते पूर्व ही गांव से दिल्ली आई थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ईआरवी में तैनात एएसआई जगजीत सिंह ने 4 अगस्त को लाजपत नगर थाना पुलिस को फोन कर सूचना दी कि नियर अन्ना डोसा, ई-ब्लॉक, लाजपत नगर के पास एक महिला खून से लथपथ पड़ी हुई है। उसे एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। बेटे ने आरोप लगाया है कि संपर्क करने पर आरोपी ने उसे मां की आपत्तिजनक फोटो व वीडियो भेजे। उसने कहा कि अगर वह अपनी मां से संपर्क करेगा तो वह यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। हमलावर मां से पैसे मांगता था और नहीं देने पर उसके साथ मारपीट करता था।

बाइक टैक्सी वाले ने डाला एयर होस्टेस की आबरू पर हाथ, दिल्ली के चाणक्यपुरी में शर्मनाक वारदात

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के चाणक्यपुरी जैसे पॉश इलाके में एक एयर होस्टेस के साथ बाइक टैक्सी चालक द्वारा छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़िता द्वारा शोर मचाए जाने के बाद वहां से गुजर रहे एक कार चालक ने उसे बचाया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर चाणक्यपुरी थाने में छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर आरोपी बाइक टैक्सी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित युवती एयर होस्टेस है और नामी एयरलाइंस में नौकरी कर चुकी है। बुधवार को अपने कुछ दोस्तों के साथ लक्ष्मी नगर गई थी। यहां से देर रात उसने अपने घर जाने के लिए ऐप से बाइक टैक्सी बुक की थी। बाइक चालक के साथ बैठकर वह अपने घर के लिए निकल गई। देर रात वह जब चाणक्यपुरी इलाके में पहुंचे तो बारिश होने लगी। इस पर भीगने से बचने के लिए युवती ने बाइक चालक को किसी बस स्टॉप के आसपास रुकने को कहा, लेकिन उसने बस स्टॉप के बजाय सड़क किनारे एक पेड़ के पास बाइक रोक दी।

फेस रिकगनिशन कैमरों से नजर, कमांडो दस्ता तैनात; दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर कड़ी सुरक्षा

नईदिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर लालकिले पर सुरक्षा खाका तैयार कर लिया गया है। इसके लिए जगह चिन्हित कर कमांडो दस्ते की तैनाती कर दी गई है। वहीं, दिल्ली पुलिस सहित अन्य दूसरी यूनिट ने गुरुवार से सुरक्षा अभ्यास भी शुरू कर दिया है। इसके अलावा आसपास के इलाके में भी कमांडो और जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस ने गुरुवार को 700 फेस रिकगनिशन सीसीटीवी कैमरे खरीदे। ये कैमरे उत्तर, मध्य जिलों में और इसके आसपास, विशेषकर लाल किले में लगाए जाएंगे, जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता दिवस पर अपना भाषण देंगे, ताकि वीवीआईपी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

लालकिले की सुरक्षा की जिम्मेदरी एनएसजी, एसपीजी, अर्द्धसैनिक बलों के जवानों और दिल्ली पुलिस के हाथों में है। लालकिले के आसपास 200 मीटर तक के दायरे पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां बेहद अलर्ट मोड पर हैं। खुफिया इनपुट है कि समारोह के दौरान आतंकी ग्रुप दिल्ली में बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में जुटे हैं। इसके मद्देनजर इजरायली सॉफ्टवेयर से संदिग्धों पर नजर रखने की व्यवस्था की गई है।

दिल्ली पुलिस सहित सुरक्षा से जुड़ी अन्य एजेंसियां सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर बनाए हुए हैं। लालकिले के आसपास संदिग्ध वाहनों की जांच के लिए कई चेक पॉइंट्स तय कर लिए गए हैं, जहां जांच के लिए सुरक्षाबलों की तैनाती की जा रही है। वहीं, पुलिस ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील की है। दिल्ली पुलिस ने राजधानी में सुरक्षा बढ़ा दी है। साथ ही फरार आतंकियों के पोस्टर भी लगा दिए गए हैं। ये पोस्टर अलकायदा और खालिस्तानी समर्थकों से जुड़े विभिन्न आतंकवादियों के हैं। पुलिस ने वीआईपी से लेकर आम इलाके सहित करीब शहर के हर हिस्से में पोस्टर लगाए हैं।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों के बारे में जानकारी देने वालों को इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वालों के नाम भी छुपाए जाएंगे। खान मार्केट में पोस्टर लगा रही टीम ने कहा कि लोगों में जागरुकता बढ़ाने और आतंकवादियों को पकड़ने में पुलिस की मदद करने के लिए इस तरह की कवायद की जा रही है। पोस्टरों में पंद्रह आतंकवादियों का उल्लेख किया गया है। जिनमें से छह अल-कायदा से जुड़े हैं। सभी सुरक्षा एजेंसियां अभी अलर्ट मोड पर हैं और राजधानी की सुरक्षा कड़ी कर दी है।

भागो बांग्लादेश... दिल्ली में रोहिंग्या मुसलमानों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले का बदला लेने के लिए दिल्ली में कुछ रोहिंग्या मुसलमानों को पीटा गया है। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार को थप्पड़ मारकर चर्चा में आए कथित गौरक्षक दक्ष चौधरी ने यह हमला किया है। इंस्टाग्राम पर दक्ष ने इसे कबूल करते हुए कहा कि उसने जो किया उसके लिए कोई पछतावा नहीं है। हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि रात के समय 5-6 लोग हाथों में डंडा लेकर कूड़े-कचरे के ढेरों के बीच रह रहे लोगों पर टूट पड़ते हैं। डंडे से उन्हें पीटा जा रहा है। गालियां देते हुए उन्हें जगह खाली करने और बांग्लादेश भागने को कह रहे हैं। हमला करते समय दक्ष कहता है- बांग्लादेश में हिंदुओं बेटियों के साथ रेप हो रहे हैं और यहां सपोले पनप रहे हैं। सरकार चुप बैठी है, संगठन चुप बैठे हैं।

रोहिंग्या मुसलमानों को पीटने के बाद दक्ष ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मैसेज पोस्ट करते हुए कहा, जो किया उसके लिए कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि बांग्लादेश में जिन बहनों के साथ बलात्कार हुआ, जिन हिंदुओं को मारा गया, मंदिरों को तोड़ा गया वह सब मेरे अपने थे, प्रत्येक भारतीय के थे। क्यों मारा गया उन्हें, क्यों बलात्कार हुआ क्योंकि वह हिंदू थे। विपक्ष मौन है, बॉलीवुड मौन है, यह वही बॉलीवुड है जब हमास का समर्थन करता है लेकिन जब हिंदुओं पर बर्बता होती है तो चुप रहता है। हमने शुरुआत कर दी है, बाकी अब क्या करना है भारत के युवाओं, संगठनों को यह आपको पता है। अब इस देश में रोहिंग्या मुस्लिम बिल्कुल नहीं रहे। सरकार असमर्थ है, हम नहीं। एफआईआर हुई है, गिरफ्तारी भी होगी, जेल भी जाएं, लेकिन अब कोई डर नहीं है। लास्ट मैसेज है पता नहीं अब क्या होगा। जय श्रीराम। दक्ष वही शख्स है जिसने फैजाबाद सीट से भाजपा की हार पर अयोध्या के लोगों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। इसके लिए उसे गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली में वीकेंड पर झमाझम बारिश में भीगने को रहें तैयार, तेज हवाएं देंगी ठंडक; येलो अलर्ट जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में अगले चार-पांच दिनों में बादल और बारिश का मौसम बना रहेगा। इस दौरान तेज हवाएं भी चलेंगी। गुरुवार को कई इलाकों में हल्की बारिश होने से तापमान में इजाफा नहीं हुआ। इससे लोगों को उमस से राहत मिली। सफदरजंग, लोधी रोड, पालम और रिज में हल्की बारिश दर्ज की गई है। वहीं, शुक्रवार को भी कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। शनिवार और रविवार को बारिश होने के आसार हैं। यानी वीकेंड खुशनुमा रहेगा। इसके चलते अधिकतम तापमान 35 डिग्री से नीचे ही रहने के आसार हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा, मॉनसून की रेखा सक्रिय है और बुधवार को अपनी सामान्य स्थिति में आ गई। इसके अलावा, निचले और मध्य ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इन दो वेदर सिस्टम के प्रभाव से, हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। इस साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कमजोर होने की संभावना है। इसलिए, शुक्रवार को हल्की बारिश का अनुमान है। लेकिन मॉनसून की ट्रफ लाइन के दिल्ली से दूर जा सकती है। हालांकि 10 से 12 अगस्त तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी ने 10 से 12 अगस्त के लिए हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने को लेकर 'येलो' अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि अगले कुछ दिनों तक अधिकतम तापमान 32-33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'संतोषजनक' श्रेणी में बनी हुई है। अनुमान है कि 10 अगस्त तक वायु गुणवत्ता इसी श्रेणी में बनी रहेगी। मौसम की मेहरबानी से गुरुवार को दिल्ली की हवा इस साल सबसे साफ रही।

नमो भारत के यात्रियों को मिलेगी ताजी हवा, चार अंडरग्राउंड स्टेशनों पर लगेगा खास सिस्टम

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ के बीच नमो भारत के चार भूमिगत स्टेशनों पर एनवायरमेंट कंट्रोल सिस्टम (ईसीएस) लगाया जा रहा है। इससे ताजी हवा और हवा निकासी की सुविधा रहेगी। तापमान लगातार यात्रियों के अनुकूल रहेगा और इससे भूमिगत स्टेशन पर किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना होगा। दिल्ली में आनंद विहार, मेरठ में मेरठ सेंट्रल, भैंसाली और बेगमपुल पर इस प्रणाली को लगाया जा रहा है। ये स्टेशन जमीन साठ मीटर से 23 मीटर गहराई पर बनाए जा रहे हैं।

भूमिगत स्टेशनों पर एलिवेटिड स्टेशनों की तुलना में कम वायु प्रवाह होता है। ईसीएम प्रणाली में अत्याधुनिक ऊर्जा-कुशल एयर हैंडलिंग यूनिट (एएचयू) होती हैं। इसे वायु गुणवत्ता बेहतर करने के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक मोटर हैं, जो

ऊर्जा की हानि को कम करने में मदद करती हैं। वायुजनित संक्रमणों को रोकने के लिए अल्ट्रावाइलेट-सी लाइटों का प्रयोग भी किया जा रहा है। तापमान को सही करने के लिए पानी वाले कूल्ड चिलर लगाए जा रहे हैं। यह नमी के स्तर को बनाए रखेंगे और यात्रा सुविधानजक होगी। स्टेशनों में बेहतर वायु गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर की निगरानी की जाएगी। इसके लिए सार्वजनिक स्थानों पर सीओटू सेंसर लगेंगे।

नमो भारत के मेरठ सेंट्रल और भैंसाली भूमिगत स्टेशन सबसे लंबे हैं। इसके चलते यहां इस प्रणाली को लगाना चुनौतीपूर्ण है। यहां नमो भारत और मेट्रो के संचालन के लिए दो-दो ट्रैक बनाए जा रहे हैं। दिल्ली के आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन की गहराई महज 8 मीटर है। यहां कानकार्स और प्लेटफार्म पर पंखों को अनूठे ढंग से लगाया गया है। नमो भारत इस समय दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के आठ एलिवेटेड स्टेशनों पर चल रही है। इनमें साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुराद नगर, मोदी नगर साउथ और मोदी नगर नॉर्थ स्टेशन शामिल हैं। इसके बाद मेरठ दक्षिण तक नमो भारत के संचालन के लिए सभी जरूरी औपचारिकता पूरी हो चुकी है।

दक्षिण कोरिया में पड़ रही भीषण गर्मी से 18 लोगों की मौत

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लगातार गर्मी का प्रकोप जारी है। तापमान 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। इसके कारण अब तक अठारह लोगों की मौत हो चुकी है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि गृह मंत्रालय के अनुसार 20 मई से गुरुवार तक कुल 1,907 लोग गर्मी से संबंधित बीमारियों से पीड़ित हुए हैं, और उनमें से 18 की मृत्यु हो गई। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान गर्मी से संबंधित रोगियों की संख्या 1,891 थी। इसमें 25 लोगों की मृत्यु हुई थी। इस गर्मी से अब तक 4,20,000 पशुधन मार गए, जिनमें 3,93,000 मुर्गियां शामिल थीं। मछली फार्मों में लगभग 4,30,000 मछलियां भी मरी हुई पाई गईं। फिलहाल अधिकांश क्षेत्रों में तापमान लगभग 35 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा और यहां रात का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहेगा। गुरुवार को ग्योंगसांग प्रांतों के कुछ हिस्सों में 30 से 50 मिलीमीटर तक बारिश होने की संभावना है। वहीं कुछ क्षेत्रों में शुक्रवार तक गरज और बिजली के साथ बारिश जारी रहेगी। बता दें कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 4 अगस्त तक दक्षिण कोरिया में बीमारियों के कारण 11 लोगों की मौत हुई थी। समाचार एजेंसी योनहाप ने कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी के हवाले से बताया था कि 20 मई को सरकार की ओर से गर्मी से संबंधित बीमारियों के लिए निगरानी प्रणाली शुरू की गई थी। मानसून का सीजन खत्म होने के बाद देश में भीषण गर्मी पड़ रही है। देश के कई हिस्सों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है।

पोल सर्वेक्षण में डोनाल्ड ट्रंप से आगे निकलीं कमला हैरिस, लगातार बढ़ रही लोकप्रियता

वॉशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेट कमला हैरिस की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और राष्ट्रपति पद के लिए हुए ताजा पोल सर्वेक्षण में वह डोनाल्ड ट्रंप को पछाड़कर आगे निकल गई हैं। गुरुवार को जारी हुए पोल सर्वेक्षण में कमला हैरिस को 42 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है, वहीं डोनाल्ड ट्रंप पांच पॉइंट से पिछड़कर 37 प्रतिशत लोगों की पसंद बने हुए हैं। जुलाई में हुए सर्वेक्षण में कमला हैरिस को 37 प्रतिशत लोगों ने समर्थन दिया था। वहीं डोनाल्ड ट्रंप को 34 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला था। अब ताजा सर्वेक्षण के नतीजों से साफ है कि जैसे जैसे चुनाव प्रचार आगे बढ़ रहा है, कमला हैरिस की बढ़त भी मजबूत हो रही है। राष्ट्रीय स्तर पर हुए ताजा सर्वेक्षण में 2045 व्यस्क शामिल हुए। यह सर्वेक्षण 2-7 अगस्त के बीच कराया गया। सर्वेक्षण में चार प्रतिशत लोगों ने निर्दलीय उम्मीदवार रॉबर्ट केनेडी जूनियर का समर्थन किया है। हालांकि जुलाई में हुए सर्वेक्षण में केनेडी जूनियर को 10 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला था।

डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस की योग्यता पर उठाए सवाल कमला हैरिस की बढ़ती लोकप्रियता से कहीं न कहीं डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम भी चिंतित है। यही वजह है कि ट्रंप लगातार कमला हैरिस और उनकी योग्यता पर सवाल उठा रहे हैं। बीते दिनों ट्रंप ने कमला हैरिस पर नस्लभेदी टिप्पणी की थी और उनके अश्वेत मूल का होने पर सवाल उठाए थे। अब ट्रंप ने कहा है कि दुनियाभर में हालात खराब हो रहे हैं और दुनिया विश्वयुद्ध की तरफ बढ़ रही है। ट्रंप ने कहा कि कमला हैरिस हालात को संभालने के लिए सक्षम नहीं हैं। ट्रंप ने कमला हैरिस को बाइडन से भी खराब उम्मीदवार बताया।

स्पेन में भी राजनीतिक भूचाल: पुलिस ने अलगाववादी नेता कार्ल्स के खिलाफ कसा शिकंजा

गिरफ्तारी के लिए बिछाया जाल

लंदन, एजेंसी। अलगाववादी नेता कार्ल्स पुइगडेमोंट के बार्सिलोना लौटने के बाद स्पेन की राजनीति में भूचाल आ गया है। स्पेन पुलिस ने उनकी तलाश के लिए शहर में सड़कों पर अवरोधकों का जाल बिछा दिया है । रूढ़िवादी पीपुल्स पार्टी के नेता अल्बर्टो नुनेज फेइजू ने इस घटना को असहनीय अपमान बताया। उन्होंने कहा, इस पागलपन को देखना दर्दनाक है, और इसके लिए पेड्रो सांचेज़ जिम्मेदार हैं। इससे स्पेन की छवि को नुकसान पहुंचाना अक्षम्य है। हालांकि, इस घटना पर सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। विपक्ष ने मैड्रिड सरकार पर पुइगडेमोंट को गिरफ्तार करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। वैलेंसिया में पीपुल्स पार्टी के नेता कार्लोस माज़ोन ने इसे

पुइगडेमोंट का एक और मूर्खतापूर्ण नाटक कहा और कानून के पालन की मांग की।

सीनेट में पीपी की नेता एलिसिया गार्सिया ने स्पेनिश प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ को शर्म और आक्रोश के लिए जिम्मेदार ठहराया। इस बीच, कैटलन क्षेत्रीय पुलिस बल, मोसोस डीएस्क्वाड्रा के अधिकारी, स्वतंत्रता समर्थक प्रदर्शनकारियों के सामने पहरा देते हुए नजर आए। स्पेन की दूर-दराज़ पार्टी वॉक्स के समर्थक भी बार्सिलोना में विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए।

विशेषज्ञों का मानना है कि कैटलोनिया में इस घटनाक्रम से पेड्रो सांचेज़ के लिए 2025 के बजट को मंजूरी दिलाना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि पुइगडेमोंट की पार्टी इसके खिलाफ मतदान कर सकती है। हालांकि, यह संभावना कम है कि अगर अगले साल के बजट की पुष्टि नहीं होती, तो सांचेज़ समय से पहले चुनाव की घोषणा करेंगे। वे मौजूदा बजट को आगे बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं, क्योंकि जनमत सर्वेक्षणों में विपक्षी पीपुल्स पार्टी अभी भी आगे है।

कौन हैं विवादास्पद नेता कार्ल्स पुइगडेमोंट ? कार्ल्स पुइगडेमोंट एक कैटलन राजनेता और पत्रकार हैं, जो 2016 से 2017 तक स्पेन के कैटेलोनिया क्षेत्र के राष्ट्रपति रहे। उनका नाम खासकर 2017 में हुए कैटेलोनिया के स्वतंत्रता जनमत संग्रह और उसके बाद के घटनाक्रमों के कारण सुर्खियों में रहा। कार्ल्स पुइगडेमोंट अब भी निर्वासन में हैं और कैटेलोनिया के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख प्रतीक बने हुए हैं। उनके खिलाफ स्पेन में अभी भी कानूनी मामले लंबित हैं, और वह बार्सिलोना में किसी भी समय लौटने पर गिरफ्तारी का सामना कर सकते हैं।

उनकी वापसी और स्पेनिश राजनीति पर उनके प्रभाव को लेकर चर्चाएं अक्सर होती रहती हैं। पुइगडेमोंट के समर्थक उन्हें कैटेलोनिया की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाला नायक मानते हैं, जबकि उनके विरोधियों के लिए वे स्पेन की अखंडता के लिए खतरा हैं। उनकी कहानी स्पेन और कैटेलोनिया के बीच के जटिल राजनीतिक संबंधों का प्रतीक है, और वह आज भी एक विवादास्पद और महत्वपूर्ण राजनेता बने हुए हैं। कार्ल्स पुइगडेमोंट का जन्म 29 दिसंबर, 1962 को कैटेलोनिया के अमेरिक नामक गांव में हुआ था। उन्होंने पत्रकारिता की पढ़ाई की और अपना करियर एक पत्रकार के रूप में शुरू किया। पत्रकारिता में उन्होंने काफी समय बिताया और कैटेलोनिया के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति गहरी रुचि विकसित की।1990 के दशक में, पुइगडेमोंट ने राजनीति में प्रवेश किया और कैटेलोनिया की स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले कई संगठनों से जुड़े। वे धीरे-धीरे कैटेलोनिया में एक प्रमुख राजनेता बन गए। 2006 में, उन्होंने कैटेलोनिया की संसद के लिए चुनाव लड़ा और निर्वाचित हुए। 2011 में, वे गिरोना के मेयर बने और 2016 में, उन्हें कैटेलोनिया का राष्ट्रपति नियुक्त किया गया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पता:-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।